RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर

श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज

श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी

तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-11 अंक:232 ता. 12 मार्च 2023, रविवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

दिल्ली शराब घोटाला : ईडी के सामने पेश हुई केसीआर की बेटी कविता, सवालों से होगा सामना

नई दिल्ली। तेलंगाना के मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव की बेटी और भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) की नेता के. कविता शनिवार को दिल्ली में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के सामने पेश हुईं। दिल्ली शराब घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले के संबंध में पूछताछ चल रही है। ईडी शराब घोटाले में कथित अनियमितताओं की मनी-लॉन्ड्रिंग जांच के संबंध में गिरफ्तार एक आरोपी के साथ बीआरएस नेता के कविता का आमना-सामना कराने और उनका बयान दर्ज करेगी। ईडी ने कविता

से पूछताछ के लिए सवालों की एक लंबी लिस्ट तैयार की है। तेलंगाना के मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव की 44 वर्षीय बेटी अपने पिता के आधिकारिक आवास तुगलक रोड से करीब 11 बजे एपीजे अब्दुल कलाम रोड स्थित संघीय एजेंसी के मुख्यालय पहुंचीं। इस दौरान ईडी ऑफिस के बाहर भारी संख्या में दिल्ली पुलिस और केंद्रीय अर्धसैनिक बलों के जवान तैनात हैं। के कविता की पेशी से पहले बीआरएस के नेता के समर्थकों ने एपीजे अब्दुल कलाम रोड पर विरोध प्रदर्शन किया। बता दें कि ईडी ने पहले कविता को 9 मार्च को पेश होने के लिए कहा था, लेकिन उन्होंने संसद के बजट सत्र में लंबे समय से लंबित महिला आरक्षण विधेयक को पारित कराने की मांग को लेकर शुक्रवार को दिल्ली में अपनी निर्धारित दिनभर की भूख हड़ताल के कारण नई तारीख मांगी थी। एजेंसी ने बीआरएस एमएलसी को बुलाया है ताकि उनका सामना हैदराबाद के कारोबारी अरुण रामचंद्रन पिल्लई से कराया जा सके, जो साउथ ग्रुप का एक कथित फ्रंटमैन है, जिसे ईडी ने इस सप्ताह के शुरू में गिरफ्तार किया था।

पीएम विश्वकर्मा योजना का उद्देश्य कारीगरों की मदद करना है: प्रधानमंत्री मोदी

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दूरदराज के इलाकों में रहने वाले कारीगरों की मदद करने और उन्हें मूल्य श्रृंखला का हिस्सा बनाने के लिए 'मिशन मोड' में काम करने की आवश्यकता पर शनिवार को बल दिया। मोदी ने बजट के बाद 'प्रधानमंत्री विश्वकर्मा कौशल सम्मान' योजना पर आयोजित एक वेबिनार में कहा, ''हमारा उद्देश्य आज के कारीगरों को कल का बड़ा उद्यमी बनाना है। इसके लिए उनके व्यापार मॉडल में स्थिरता जरूरी है।'' उन्होंने सभी हितधारकों से छोटे कारीगरों को अपनी मूल्य श्रृंखला का हिस्सा बनाने का आह्वान किया। मोदी ने कहा कि 'प्रधानमंत्री विश्वकर्मा कौशल सम्मान योजना' का उद्देश्य कारीगरों के कौशल को निखारना, उनके लिए आसानी से ऋण की उपलब्धता सुनिश्चित करना और ब्रांड प्रचार में उनकी मदद करना है ताकि उनके उत्पाद बाजार में जल्दी पहुंच सकें। उन्होंने कहा कि इसका लक्ष्य कारीगरों और लघु कारोबार से जुड़े लोगों की भी मदद करना भी है। उन्होंने कहा कि 'स्किल इंडिया मिशन' के तहत करोड़ों लोगों को प्रशिक्षित किया जा चुका है। प्रधानमंत्री ने कहा कि लघु स्तर के कारीगर स्थानीय शिल्प के निर्माण और देश के विकास में अहम् भूमिका निभाते हैं। पीएम मोदी ने कहा कि स्वतंत्रता के बाद भी, कारीगरों को सरकार से आवश्यक हस्तक्षेप कभी नहीं मिला। नतीजा यह हुआ कि आज इस असंगठित क्षेत्र के अधिकांश लोग आजीविका के लिए छोटे मोटे काम करते हैं। कई अपना पुश्तैनी पेशा छोड़ रहे हैं। वे आज की जरूरतों के अनुसार खुद को ढालने की क्षमता से बाहर हो रहे हैं। पीएम मोदी ने आगे कहा कि हम उन्हें उनके हाल पर

नहीं छोड़ सकते। यह एक ऐसा तबका है जिसने सदियों से अपने शिल्प को पारंपरिक तरीकों से सुरक्षित रखा है, एक ऐसा तबका है जिसने अपने असाधारण कौशल और अनूठी रचना से अपनी पहचान बनाई है। वे आत्मनिर्भर भारत के सच्चे अर्थों के प्रतीक हैं। पीएम विश्वकर्मा कौशल सम्मान (पीएम विकास) पर बजट के बाद के वेबिनार में पीएम मोदी ने कहा पीएम विश्वकर्मा कौशल सम्मान की घोषणा के बाद व्यापक चर्चा हुई, समाचार पत्रों और आर्थिक विशेषज्ञों ने इस पर ध्यान दिया। महज घोषणा आकर्षण का केंद्र बन गई है। पीएम नरेंद्र मोदी बोले कि भगवान विश्वकर्मा को परम निर्माता और सबसे महान वास्तुकार माना जाता है। उनकी मूर्तियों में उन्हें तरह-तरह के औजार पकड़े हुए देखा जाता है। हमारे समाज में औजारों की मदद से अपने हाथों से कुछ बनाने वालों की समृद्ध परंपरा रही है।

''हमारा उद्देश्य आज के कारीगरों को कल का बड़ा उद्यमी बनाना है। इसके लिए उनके व्यापार मॉडल में स्थिरता जरूरी है।'' उन्होंने सभी हितधारकों से छोटे कारीगरों को अपनी मूल्य श्रृंखला का हिस्सा बनाने का आह्वान किया। मोदी ने कहा कि 'प्रधानमंत्री विश्वकर्मा कौशल सम्मान योजना' का उद्देश्य कारीगरों के कौशल को निखारना, उनके लिए आसानी से ऋण की उपलब्धता सुनिश्चित करना और ब्रांड प्रचार में उनकी मदद करना है

ट्विटर जैसा प्लेटफार्म लाने की तैयारी में है मेटा

जल्द लॉन्च कर सकता है अपना नया ऐप

नई दिल्ली। फेसबुक और इंस्टाग्राम की पैरेंट कंपनी मेटा टेक्स्ट अपडेट के लिए अलग प्लेटफार्म लाने पर विचार कर रही है। मेटा के प्रवक्ता ने यह बात कही है। यह सूचना ऐसे समय में सामने आ रही है, जब इंटरनेट मीडिया पर इस तरह की खबरें हैं कि ट्विटर को टक्कर देने के लिए मेटा अपना प्लेटफार्म ला सकती है।

मेटा कर रहा डीसेंट्रलाइज्ड सोशल नेटवर्क लांच करने पर विचार-प्रवक्ता ने नए प्लेटफार्म के स्वरूप एवं इसे लांच करने की समयसीमा को लेकर विस्तार से कुछ नहीं बताया है। हालांकि उसने कहा कि अभी एक ऐसे प्लेटफार्म की गुंजाइश है जहां क्रिएटर्स और बड़ी हस्तियां समय-समय पर अपनी जानकारियां साझा कर सकें। प्रवक्ता ने कहा, हम टेक्स्ट अपडेट शेयर करने के लिए एक अलग डीसेंट्रलाइज्ड सोशल नेटवर्क लांच करने की संभावना तलाश रहे हैं।

तकनीकी खामी के कारण चर्चा में ट्विटर-मालूम हो कि तकनीकी खामी से लेकर कर्मचारियों की छंटनी तक कई नकारात्मक कारणों से हाल के दिनों में ट्विटर चर्चा में रहा है। ऐसे समय मेटा की यह तैयारी उसके लिए बड़ी चुनौती बन सकती है। अरबपति एलन मस्क के अक्टूबर में ट्विटर के अधिग्रहण के बाद से प्रभावशाली वेबसाइट को आउटेज और छंटनी सहित कई गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ा है। कंपनी ने अपने बयान में कहा,हम मानते हैं कि एक अलग स्थान के लिए एक अवसर है जहां रचनाकार और सार्वजनिक हस्तियां अपनी रुचियों के बारे में समय पर अपडेट साझा कर सकते हैं। कई मीडिया रिपोर्टों में कहा गया है कि मेटा का यह नया ऐप ऐसी तकनीक का प्रयोग करेगा, जो इसको अन्य नेटवर्क मास्टोडन तथा दूसरे प्लेटफार्मों के साथ इंटरऑपरेबल होने होगा।

तिहाड़ में सर्जिकल ब्लेड, फोन और ड्रग्स मिलने से हड़कंप

केजरीवाल सरकार के पूर्व मंत्री भी यहीं बंद

नई दिल्ली। दिल्ली के तिहार जेल में कैदियों के पास से 23 सर्जिकल ब्लेड, स्मार्टफोन, ड्रग्स और कई अवैध संदिग्ध सामग्री बरामद की गई है। 9 मार्च की सुबह कैदियों की हरकतें देखने के बाद जेल प्रशासन को शक हुआ। सुबह तकरीबन 6 बजे केदी जेल के परिसर के अंदर किसी वारदात को अंजाम देने की मंशा बना रहे थे। जेल में तैनात आरक्षी की सूचना के आधार पर जेल अधिकारियों ने छापेमारी की। छापेमारी में ये संदिग्ध सामान बरामद हुए हैं। जेल के एक अधिकारी ने मीडिया

को जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 9 मार्च की सुबह तलाशी अभियान में एक पैकेट में रखे 23 सर्जिकल ब्लेड, स्मार्टफोन और ड्रग्स बरामद किया गया। जेल प्रशासन ने पैकेट को जब्त कर लिया है। सेंट्रल जेल नंबर 3 से ये अवैध सामन बरामद हुए हैं। बता दें, तिहाड़ के ही जेल नंबर 7 में केजरीवाल सरकार के पूर्व स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन पिछले साल से ही बंद हैं। वहीं, मनीष सिसोदिया को भी यहां जेल नंबर एक में रखा गया था। हालांकि, शुक्रवार को ही उन्हें 7 दिन की ईडी कस्टडी में भेज दिया गया है। आप ने जेल में सिसोदिया की सुरक्षा पर सवाल उठाए थे तो वहीं बीजेपी ने यह कहकर पलटवार किया था कि तिहाड़ जेल का प्रबंधन और नियंत्रण दिल्ली सरकार के पास ही है।

कर्नाटक में कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष ध्रुव नारायण का निधन, हुआ कार्डियक अरेस्ट

बेंगलुरु। कर्नाटक में कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष ध्रुव नारायण का कार्डियक अरेस्ट से निधन हो गया है। डीआरएमएस अस्पताल के डॉक्टर मंजूनाथ ने उनके निधन की पुष्टि की है। उन्हें सीने में दर्द हुआ फिर उनका ड्राइवर सुबह 6:40 बजे लेकर निकला, लेकिन उन्हें बचाया नहीं जा सका। वे प्रदेश कांग्रेस में बड़े कद के नेता थे। केपीसीसी के कार्यकारी अध्यक्ष आर ध्रुव नारायण का आज मैसूर में दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। वह चामराजनगर से दो बार सांसद रहे हैं। ध्रुव नारायण कांग्रेस के वरिष्ठ नेता थे। जानकारी के अनुसार, ध्रुव नारायण कार्यकारी अध्यक्ष के रूप में पुराने मैसूर में पार्टी का आयोजन कर रहे थे। वे प्रदेश कांग्रेस में बड़े कद के नेता थे। सांसद प्रताप सिंह ने ध्रुव नारायण के निधन पर शोक व्यक्त किया है। प्रताप सिम्हा ने लिखा है कि इतने अच्छे इंसान को भगवान ने छीन लिया...ओम शांति। आर।

प्रभावशाली दलित नेता

ध्रुव नारायण पुराने मैसूर के एक प्रभावशाली दलित नेता थे। इसके अलावा, वह पूर्व सीएम सिद्धारमैया के करीबी दोस्त थे। चुनावों के दौरान, वह चामराजनगर में एक बड़े कद के नेता माने जाते थे। उनके राजनीतिक दुश्मन उन्हें विनम्र स्वभाव के रूप में जानते हैं। ध्रुव नारायण ने दो बार सांसद और विधायक के रूप में भी काम किया। इस बार वह नंजनगुडु विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ने जा रहे थे।

सतीश कौशिक मौत मामले में नया ट्विस्ट, दिल्ली पुलिस को फार्म हाउस से मिलीं कुछ दवाएं

दिल्ली। बॉलीवुड अभिनेता एवं फिल्मकार सतीश कौशिक की मौत के मामले में अब नया ट्विस्ट आ गया है। इस मामले की जांच कर रही दिल्ली पुलिस को दिल्ली के उस फार्म हाउस से कुछ दवाएं मिली हैं, जहां मौत से पहले सतीश कौशिक पार्टी में शामिल हुए थे। फिलहाल दिल्ली पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि मौत के पीछे की असल वजह क्या है। सूत्रों के अनुसार, दिल्ली पुलिस का कहना है कि वे अभिनेता सतीश कौशिक मौत के सही कारण जानने के लिए विस्तृत पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट का

इंतजार कर रहे हैं। जिला पुलिस की क्राइम टीम ने दक्षिण पश्चिम दिल्ली में उस फार्म हाउस का दौरा किया जहां पार्टी आयोजित की गई थी और वहां से कुछ दवाएं बरामद की हैं।

सूत्रों ने बताया कि दिल्ली में एक उद्योगपति के फार्म हाउस पर पार्टी का आयोजन किया गया था। पुलिस मेहमानों की सूची खंगाल रही है। पार्टी में एक ऐसा उद्योगपति भी शामिल था जो एक मामले में वॉन्टेड है।

66 वर्ष के थे सतीश कौशिक

बता दें कि, अपने चार दशक लंबे करियर में थिएटर, सिनेमा, टीवी और ओटीटी मंच पर अभिनय, निर्देशन, लेखक और बतौर निर्माता अपनी छाप छोड़ने वाले फिल्मकार सतीश कौशिक का गुरुवार को दिल्ली में कथित तौर पर तड़के दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया था। वह 66 वर्ष के थे।

वह दिल्ली में होली मनाने के लिए आए थे। फिल्म जाने भी दो यारो और मिस्टर इंडिया में यादगार भूमिकाएं निभाने वाले कौशिक दिल्ली में एक दोस्त के घर पर थे तभी उन्हें बेचैनी महसूस हुई। उन्होंने अपने ड्राइवर से उन्हें अस्पताल ले जाने के लिए कहा। देर रात करीब एक बजे उन्हें (अस्पताल जाते समय) रास्ते में ही दिल का दौरा पड़ गया। कौशिक का पोस्टमॉर्टम दिल्ली के दीन दयाल उपाध्याय अस्पताल में किया गया था।

वायरल वीडियो के बाद एक्शन में पुलिस, होली के दिन जापानी महिला से छेड़छाड़ करने वाले गिरफ्तार

नई दिल्ली। होली के दिन जापानी महिला पर्यटक से अभद्रता, छेड़छाड़ और जबरदस्ती करने के मामले में दिल्ली पुलिस ने नाबालिग समेत 3 युवकों को हिरासत में लिया है। सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने के बाद दिल्ली पुलिस ने स्वतः संज्ञान लेते हुए मामले में कार्रवाई की है। पुलिस ने वीडियो के आधार पर आरोपियों की तलाश की है। हालांकि, अबतक उक्त मामले में महिला के द्वारा न तो जापान दूतावास न ही पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई है।

दिल्ली पुलिस ने आधिकारिक बयान में बताया कि वीडियो में दिख रहे लड़कों की पहचान फील्ड अधिकारियों और स्थानीय खुफिया विभाग के गहन प्रयासों के बाद की गई है। एक नाबालिग समेत तीन लड़कों को पकड़कर पूछताछ की गई है। उन्होंने घटना / वीडियो में देखी गई घटना के बारे में कबूल / स्वीकार किया है। यह घटना दिल्ली के पहाड़गंज इलाके में हुई थी और वीडियो को सबसे पहले महिला ने ट्विटर पर पोस्ट किया जिसे बाद में हटा दिया गया। महिला अभी दिल्ली में नहीं है। पुलिस ने बताया कि घटना के बाद महिला से संपर्क करने पर पता चला है कि उसकी

मानसिक स्थिति बिलकुल ठीक है और अभी वो बांग्लादेश में है।

बयान के मुताबिक महिला ने न तो दिल्ली पुलिस से और न ही जापानी दूतावास से कोई शिकायत की है। पकड़े गए लोगों के खिलाफ दिल्ली पुलिस अधिनियम के तहत कार्रवाई शुरू कर दी गई है। आगे की कानूनी कार्रवाई गुण-दोष के आधार पर और लड़की द्वारा शिकायत किए जाने पर तय की जाएगी।

घटना के बाद दिल्ली महिला आयोग की चेयरपर्सन स्वाति मालीवाल और बॉलीवुड अभिनेत्री ऋचा चड्ढा ने मामले पर ट्वीट कर दिल्ली पुलिस को एक्शन लेने के लिए कहा था। घटना के बाद सोशल मीडिया पर वीडियो को लेकर सियासी बयानबाजी भी हुई।

वायरल वीडियो के अनुसार, आरोपियों ने महिला के साथ अभद्रता की और उस पर रंग फेंका। एक शख्स ने उसके सिर पर अंडा भी फोड़ दिया। जैसा कि वीडियो में देखा जा सकता है कि महिला के लिए पुरुषों के गिरोह को छोड़ना मुश्किल था। लेकिन वह उस ग्रुप से बाहर निकलने की कोशिश में बाय बाय कहती रहीं। वह कैमरे के सामने एक बार मुस्कुराई और जैसे ही पुरुषों में से एक ने उसे फिर से छुआ, उसने उसे थप्पड़ मारा और वहां से चली गई।

गुजरात में दो साल में 4,058 करोड़ रुपये के मादक पदार्थ जब्त : सरकार

गांधीनगर। गुजरात की कानून प्रवर्तन एजेंसियों ने राज्य में 31 दिसंबर 2022 तक पिछले दो साल में 4,058 करोड़ रुपये के मादक पदार्थ और 211.86 करोड़ रुपये की शराब जब्त की है। सरकार ने विधानसभा में शनिवार को बताया कि राज्य में इस अवधि के दौरान शराब और मादक पदार्थ से जुड़े मामलों के लिए तीन लाख से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया गया। राज्य में शराब की बिक्री और शराब पीने पर पाबंदी है। राज्य सरकार ने बताया कि पिछले दो साल में वडोदरा में सबसे अधिक 1,620 करोड़ रुपये के मादक पदार्थ और शराब बरामद की गयी। गृह राज्यमंत्री हर्ष सांघवी ने तारांकित प्रश्न के जवाब में सदन में कहा, ''राज्य की कानून प्रवर्तन एजेंसियों ने 31 दिसंबर 2022 तक दो साल में 4,058.01 करोड़ रुपये के मादक पदार्थ और 211.86 करोड़ रुपये की शराब जब्त की।'' ये आंकड़ें राज्य के कुल 33 में से 25 जिलों के हैं।भारत निर्मित विदेशी शराब के मामले में अहमदाबाद जिला सबसे ऊपर रहा। जिले में दो साल में 28.23 करोड़ रुपये की शराब जब्त की गयी। मंत्री ने सदन में बताया कि पिछले दो साल में मादक पदार्थ और शराब जब्त करने के संबंध में कुल 3,39,244 लोगों को गिरफ्तार किया गया, जबकि 2,987 लोग इन मामलों में वांछित हैं।

आरएसएस की बैठक में सामाजिक समरसता बनाने के मुद्दे पर होगा विचार

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) नेतृत्व रविवार से शुरू हो रही तीन दिवसीय वार्षिक बैठक में इस बात पर विचार करेगा कि सामाजिक समरसता का माहौल किस तरह से बनाया जाए, लोगों को उनके कर्तव्यों का पालन करने के लिए कैसे प्रेरित किया जाए और उन्हें कैसे आत्मनिर्भर बनाया जाए। आरएसएस के नेता सुनील आंबेकर ने बताया कि आरएसएस की अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा में इसके प्रमुख मोहन भागवत और महासचिव दत्तात्रेय होसबोले सहित 1,400 से अधिक पदाधिकारी शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा की ओर से पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा और महासचिव (संगठन) बीएल संतोष बैठक में शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि आरएसएस से जुड़े 34 संगठनों के चुनिंदा पदाधिकारी भी इसमें शामिल होंगे। प्रतिनिधि सभा आरएसएस की निर्णय लेने वाला सर्वोच्च निकाय है। आंबेकर ने कहा कि आरएसएस की शाखाएं वास्तव में समाज में परिवर्तन लाने के केंद्र हैं और वे स्वयंसेवकों द्वारा किए गए समाज के अध्ययन के आधार पर अपने-अपने अधिकार क्षेत्र में इसके लिए काम करती हैं। उन्होंने कहा कि हरियाणा के पानीपत जिले के समालखा में आयोजित तीन दिवसीय बैठक में पिछले कुछ वर्षों में स्वयंसेवकों द्वारा किए गए अध्ययनों और इस तरह के अध्ययनों के आधार पर किए गए कार्यों पर चर्चा की जाएगी। आंबेकर ने कहा कि बैठक में कई सामाजिक-आर्थिक मुद्दों पर चर्चा होगी। विशेष रूप से सामाजिक सद्भाव का माहौल कैसे बनाया जाए, नागरिकों को उनके कर्तव्य निर्वहन के लिए कैसे प्रेरित किया जाए और उन्हें आत्मनिर्भर कैसे बनाया जाए। उन्होंने कहा कि इस दौरान शाखाओं के कामकाज की समीक्षा भी की जाएगी और भविष्य की रूपरेखा भी तैयार की जाएगी।

तिहाड़ जेल में कैदी के पास से 23 सर्जिकल ब्लेड, मोबाइल, ड्रग्स व वर्जित पदार्थ बरामद

नई दिल्ली । राजधानी दिल्ली की तिहाड़ जेल में एक कैदी के पास से जेल अधिकारियों ने 23 सर्जिकल ब्लेड और अन्य प्रतिबंधित सामग्री वाला एक पैकेट बरामद किया है, एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।जेल के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार गुरुवार को सुबह करीब 6-40 बजे सेंट्रल जेल नंबर-3, तिहाड़ के कर्मचारियों ने कुछ कैदियों की संदिग्ध हरकत को देखकर उन्हें रोका और पूरी तरह से तलाशी के बाद एक कैदी के कब्जे से 23 सर्जिकल ब्लेड, ड्रग्स, दो टच स्क्रीन मोबाइल फोन, एक सिम कार्ड और अन्य वर्जित सामान बरामद किया।अधिकारी ने कहा कि आगे की जांच में यह पता चला कि पैकेट को जेल के अंदर की दीवारों पर बगल की जेल से फेंका गया था।पैकेट अंदर फेंकने वाले कैदी की पहचान कर ली गई है। मामले की आगे की जांच और कानून के अनुसार आवश्यक कार्रवाई के लिए पुलिस को सूचित कर दिया गया है।

महंगाई भत्ते के बकाए के भुगतान को लेकर बंगाल में हड़ताल

- सरकारी कार्यालयों में सामान्य कामकाज रहा प्रभावित

कोलकाता । पश्चिम बंगाल के विभिन्न हिस्सों में राज्य सरकार के विभिन्न कार्यालयों में शुक्रवार को महंगाई भत्ते के बकाये के भुगतान की मांग को लेकर राज्य सरकार के संयुक्त मंच द्वारा आहूत हड़ताल के कारण सामान्य कामकाज प्रभावित रहा।नबन्ना के राज्य सचिवालय और राज्य शिक्षा विभाग स्थित विकास भवन में उपस्थिति सामान्य से थोड़ी कम दर्ज की गई, कोलकाता के साथ-साथ जिलों में राज्य के अन्य प्रमुख सरकारी कार्यालयों में दर्ज की गई उपस्थिति सामान्य से बहुत कम थी। बांकुरा और पुरुलिया जैसे जिलों से हड़ताली कर्मचारियों और इसका विरोध करने वालों के बीच झड़प की छिटपुट घटनाओं की सूचना मिली थी। हड़ताल का अधिकतम प्रभाव कलकत्ता उच्च न्यायालय और राज्य की विभिन्न निचली अदालतों में महसूस किया गया, क्योंकि कोर्ट क्लर्कों का एक बड़ा वर्ग ड्यूटी से अनुपस्थित रहा। विभिन्न सरकारी शिक्षण संस्थानों में सामान्य शिक्षण प्रक्रिया भी प्रभावित हुई, क्योंकि बड़ी संख्या में शिक्षण और गैर-शिक्षण कर्मचारियों ने हड़ताल में भाग लिया। कई स्कूलों में छात्रों की उपस्थिति भी सामान्य दिनों की तुलना में कम रही। पश्चिम बंगाल की वित्त प्रभारी मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) चंद्रिमा भट्टाचार्य ने हालांकि दावा किया कि राज्य सरकार के बहुमत ने हड़ताल के आह्वान को अस्वीकार कर दिया है और सामान्य रूप से अपनी ड्यूटी में भाग लिया है। उन्होंने यह भी कहा कि राज्य के वित्त विभाग द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार जो शुक्रवार को ड्यूटी पर नहीं पहुंचे, उन्हें पहले कारण बताओ नोटिस दिया जाएगा और संतोषजनक जवाब न मिलने पर अनुपस्थिति को अकार्य (सेवा विराम) माना जाएगा और उस दिन के लिए कोई वेतन स्वीकार्य नहीं होगा। तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव और पार्टी के सांसद अभिषेक बनर्जी ने हड़ताली कर्मचारियों को नई दिल्ली जाने और वहां विरोध प्रदर्शन करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि उन्हें केंद्र सरकार से पूछना चाहिए कि 1.15 लाख करोड़ रुपये का केंद्रीय बकाया अब भी पश्चिम बंगाल सरकार को क्यों नहीं दिया गया है।

मार्च में ही करा लें आधार से लिंक, नहीं तो अगले माह बेकार हो जाएगा आपका पैन कार्ड

नई दिल्ली ।अगर आपने अभी तक पैन कार्ड को आधार से लिंक नहीं करवाया है तो जल्द करवा लीजिए।आप 31 मार्च यानी इस महीने के खत्म होने तक यह काम नहीं कर पाए तो आपका पैन कार्ड रद्द हो जाएगा। बाजार नियामक सेबी ने घोषणा की है कि पैन कार्ड को आधार के साथ लिंक कराने की आखिरी तारीख 31 मार्च 2023 है। ऐसा नहीं होने पर पैन कार्ड बेकार हो जाएगा। सेबी ने एक रिलीज में कहा कि इनकम टैक्स एक्स 1961 के प्रावधान में हर पैन कार्डधारक को इसे अपने आधार के साथ लिंक करना अनिवार्य है।

रिलीज में आगे कहा गया कि केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड द्वारा 30 मार्च 2022 को जारी सर्कुलर नं-7 के अनुसार अगर 31 मार्च 2023 तक पैन को आधार से लिंक नहीं किया गया, तो यह बेकार हो जाएगा। वह व्यक्ति इनकम टैक्स एक्ट-1961 के तहत पैन नहीं देने के बराबर ही उत्तरदायी होगा। ऐसे में आप वे सभी वित्तीय कार्य नहीं कर पाएंगे, जिनमें पैन कार्ड जरूरी होता है। आप म्यूचुअल फंड, स्टॉक और बैंक एकाउंट खुलवाने जैसे काम भी नहीं कर पाएंगे। आप 31 मार्च तक अपने पैन को आधार से लिंक नहीं कराते हैं तो यह बेकार हो जाएगा। इस बेकार पैन कार्ड को आप वित्तीय कार्यों के लिए यूज करते हैं, तो आप पर जुर्माना लगाया जा सकता है। इनकम टैक्स एक्ट की धारा 272बी के तहत आपको 10 हजार रुपए का जुर्माना देना पड़ सकता है। अगर आप 31 मार्च 2023 तक पैन को आधार से लिंक करा लेते हैं तो आपको सिर्फ 1000 रुपए ही लेट फाइन देना होगा। सीबीडीटी ने 30 जून, 2022 के बाद से पैन को आधार से लिंक कराने पर एक हजार रुपए लेट फाइन लगाया था।

आधारहीन प्रतिशोधात्मक मामलों में मेरी बेटियों, नन्हें-मुन्ने नातियों व गर्भवती पुत्रवधु को भाजपाई ईडी ने घंटों बैठा के रखा: लालू यादव

-इडी की रेड पर भड़के लालू यादव और भाजपा को दी चुनौती

अगरतला (एजेंसी)। पटना (ईएमएस)। लैंड फॉर जॉब घोटाला मामले में प्रवर्तन निदेशालय द्वारा बेटा, बेटी, समधी और अन्य करीबियों के खिलाफ की जा रही कार्रवाई पर राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद भड़क उठे। संघ और भाजपा के खिलाफ लालू यादव ने मोर्चा खोल दिया है। आरजेडी सुप्रीमो ने प्रवर्तन निदेशालय को भाजपाई ईडी कहकर संबोधित किया है। शुक्रवार को नौकरी के लिए जमीन मामले में ईडी की अलग-अलग टीम ने देशभर में लालू यादव उनके परिवार के सदस्य और करीबियों के 24 ठिकानों पर सर्च ऑपरेशन चलाया।

किडनी बदलवाकर सिंगापुर से लौटे लालू प्रसाद यादव ने ईडी प्रकरण पर भाजपा और आरएसएस को ललकारा है। अपने ट्विटर हैंडल पर लालू ने दो संदेश डाले हैं। दोनों संदेशों में लालू यादव ने एक ओर अपने परिवार के सदस्यों का हौसला बढ़ाया है तो बेटी, बहू, नाती, दामाद जैसे संबंधियों की परेशानी की चर्चा कर इमोशनल कार्ड भी खेला है। लालू ने अपने ट्वीट से पार्टी कार्यकर्ताओं और समर्थकों को भी संदेश दिया है।

लालू प्रसाद यादव ने लिखा है कि हमने आपातकाल का काला दौर भी देखा है। हमने वह लड़ाई भी लड़ी थी। आधारहीन प्रतिशोधात्मक मामलों में आज मेरी बेटियों, नन्हें-मुन्ने नातियों और गर्भवती पुत्रवधु को भाजपाई ईडी ने 15 घंटों से बैठा रखा है। क्या इतने निम्नस्तर पर उतरकर बीजेपी हमसे राजनीतिक लड़ाई लड़ेगी? एक अन्य ट्वीट में लालू प्रसाद ने कहा है कि संघ और भाजपा के विरुद्ध मेरी वैचारिक लड़ाई रही है और रहेगी। इनके समक्ष मैंने कभी भी घुटने नहीं टेके हैं और मेरे परिवार एवं पार्टी का कोई भी व्यक्ति आपकी राजनीति के समक्ष नतमस्तक नहीं होगा।

दरअसल, ईडी की विशेष टीम ने नौकरी के बदले जमीन मामले में राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद की बेटियों मीसा भारती, रागिनी यादव, चंदा यादव और हेमा यादव, नजदीकी राजद नेता अबु दोजान और करीबियों के पटना सहित 24 ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की। पटना के अलावा दिल्ली, गुरुग्राम, गाजियाबाद, रांची और मुंबई में इनके ठिकानों को खंगाला।

लालू के परिवार से 70 लाख कैश, 2 किलो सोना व 900 अमेरिकी डॉलर बरामद

पटना में अबु दोजान और उनके सीए नायक के पांच ठिकानों पर सुबह से देर शाम तक छापेमारी की गई। फुलवारीशरीफ के हारून कॉलोनी में दोजान के मकान, एसपी वर्मा रोड में कार्यालय, डाक बंगला चौराहा पर पटना वन मॉल समेत चार ठिकानों और उनके सीए के बुद्धा कॉलोनी स्थित घर में तलाशी ली

गई। यहां से बड़ी संख्या में जमीन-जायदाद, निवेश व बैंक खाते के दस्तावेज मिले हैं। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की देशव्यापी रेड में यादव के छोटे बेटे और बिहार के डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव समेत लालू की तीन बेटियों के पास से 70 लाख रुपए कैश, 2 किलोग्राम से ज्यादा सोना और 900 अमेरिकी डॉलर बरामद हुआ है। बरामद सोने में 1.50 किलोग्राम जेवर हैं, जबकि 540 ग्राम सोने का सिक्का है।

कभी कन्या भ्रूण हत्या के लिए कुख्यात हरियाणा अब हर लड़की के जन्म पर जश्न मनाता है : खट्टर

चंडीगढ़। (एजेंसी)। हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने कहा है कि कभी कन्या भ्रूण हत्या के लिए कुख्यात रहा यह राज्य अब हर लड़की के जन्म पर जश्न मनाता है और आज प्रदेश में प्रत्येक 1,000 लड़कों पर 923 लड़कियां हैं। उन्होंने कहा कि यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 22 जनवरी 2015 को पानीपत में शुरू किए गए ''बेटी बचाओ, बेटी पढाओ'' अभियान के कारण संभव हुआ।

खट्टर ने शुक्रवार को एक कार्यक्रम में कहा, ''राज्य सरकार, सामाजिक संगठनों, खाप पंचायतों, एनजीओ और शिक्षा, महिला और बाल विकास तथा स्वास्थ्य विभागों ने हरियाणा में लैंगिक अनुपात सुधारने में निरंतर प्रयास किए हैं। इसके अलावा पुलिस ने कन्या भ्रूण हत्या में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की।'' उन्होंने कहा, ''इन समर्पित प्रयासों के कारण ही आज हरियाणा में प्रत्येक 1,000 लड़कों पर

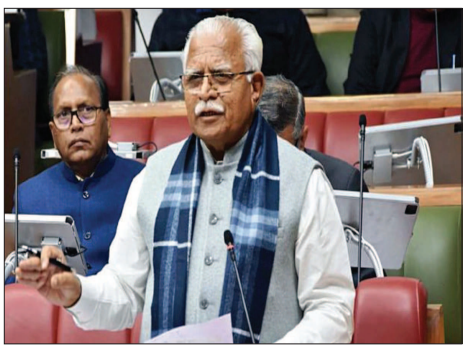

923 लड़कियां हैं। 2014 में प्रत्येक 1,000 लड़कों पर 871 लड़कियां थीं।'' उन्होंने कहा कि कभी कन्या भ्रूण हत्या के लिए कुख्यात रहा हरियाणा अब हर लड़की के जन्म पर खुशी मनाता है। करनाल में राज्य स्तरीय ''सम्मान समारोह'' में मुख्यमंत्री ने शिक्षा, संस्कृति, रक्षा, गायन, औषधि, समाज कल्याण, खेलकूद, विमानन और पर्वतारोहण जैसे विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाली महिलाओं को सम्मानित किया।

एक आधिकारिक बयान के अनुसार, उन्होंने फतेहाबाद, अंबाला और जींद में लैंगिक अनुपात में सुधार लाने के लिए इन जिलों के उपायुक्तों को नकद पुरस्कार भी दिए। खट्टर ने कहा कि राज्य के पुलिस बल में महिलाओं का प्रतिनिधित्व 2014 के छह प्रतिशत के मुकाबले आज बढ़कर 10 प्रतिशत हो गया है एवं आने वाले वर्षों में इसे 15 प्रतिशत करने का लक्ष्य है।

उन्होंने कहा, ''वे कहते हैं कि हर सफल आदमी के पीछे एक औरत का हाथ होता है। मेरी मां ने मेरी सफलता में बड़ी भूमिका निभायी है।'' भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता ने कहा कि 10वीं कक्षा की परीक्षा पास करने के बाद वह आगे पढ़ना चाहते थे लेकिन उनके पिता ने उनका सहयोग नहीं किया बल्कि उनकी मां ने कॉलेज में दाखिले के लिए उन्हें 300 रुपये दिए थे। खट्टर ने कहा, ''मैं अपनी सफलता अपनी मां को समर्पित करता हूं। अगर वह मुझे आगे पढ़ाई के लिए पैसा नहीं देती तो शायद मैं इस पद तक नहीं पहुंच पाता।'' उन्होंने यह भी कहा कि अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस को ''महिला सम्मान दिवस'' के रूप में मनाना चाहिए।

दलाई लामा ने धर्म के आधार पर हिंसा को खत्म करने का आह्वान किया

मुंबई (एजेंसी)। आध्यात्मिक नेता दलाई लामा ने दुनिया में धर्म के आधार पर हिंसा को समाप्त करने का आह्वान किया। लामा ने 64वें तिब्बती विद्रोह दिवस के मौके पर अपने संबोधन में कहा, 'मेरा देश, उनका देश, मेरा धर्म, उनका धर्म कहना और इस आधार पर लड़ना और मारना सरासर गलत है। हम पीढ़ियों से, एक दूसरे को मारने के लिए इन हथियारों का इस्तेमाल करते रहे हैं। अब, मुझे लगता है कि हमें कहना चाहिए कि बहुत हो चुका।'

उन्होंने कहा, 'जब मैं छोटा था और दूसरे बच्चों के साथ खेलता था, तो मुझे उनके धर्म और राष्ट्रीयता के बारे में कोई जानकारी नहीं होती थी।' सात-आठ अरब की आबादी वाली दुनिया में एकता का आह्वान करते हुए आध्यात्मिक नेता ने कहा, 'हम एक ही मानव हैं और हमें इस ग्रह पर भाइयों और बहनों के रूप में रहना चाहिए।' धर्मशाला में स्थित निर्वासित तिब्बती संसद ने एक बयान में कहा, 'चीन की सरकार वर्षों से तिब्बत की संस्कृति और पहचान को मिटाने की कोशिश कर रही है। यहां तक कि उन्होंने पर्यावरण को भी नष्ट कर दिया है। लेकिन तिब्बती लोगों ने कभी हार नहीं मानी है। वे शांतिपूर्वक विरोध करते हैं और अपने अधिकारों के लिए लड़ते हैं।' बयान में कहा गया है कि इस दिन 1959 में चीनी सरकार ने तिब्बत की राजधानी लहासा पर हमला किया था और दलाई लामा को नुकसान पहुंचाने की कोशिश की थी। उसमें कहा गया है कि तिब्बत के लोग इसे बर्दाश्त नहीं कर सके और उन्होंने विरोध किया।

मुख्यमंत्री महात्मा हैं, बिजली बिल की घोषणा को लेकर झूठ थोड़े ही बोलेंगे : टिकैत

- जब तक इनकी सरकार है तब तक हम बिजली बिल नहीं देंगे

मेरठ (एजेंसी)। किसानों की समस्याओं को लेकर भारतीय किसान यूनियन ने कमिश्नरी स्थित चौधरी चरण सिंह पार्क में किसान महापंचायत का आयोजन किया। महापंचायत में राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत ने कहा कि प्रदेश में 2027 तक भाजपा की सरकार है और इन्होंने अपने घोषणा पत्र में प्रदेश के किसानों को बिजली फ्री देने की बात कही थी। प्रदेश में मुख्यमंत्री महात्मा हैं, बिजली बिल की घोषणा को लेकर झूठ थोड़े ही बोलेंगे। जब तक इनकी सरकार है तब तक हम बिजली बिल नहीं देंगे। कोई भी किसान अपने नलकूप पर मीटर नहीं लगने देगा। राकेश टिकैत ने कहा कि दिल्ली सरकार के एक मंत्री को इन्होंने जेल में बंद कर दिया है। किसान की जमीन को लूटने का कार्य सरकार कर रही है। जेवर एयरपोर्ट के साथ हाईवे परियोजनाओं में कई मामले सामने आ चुके हैं। गन्ने का भुगतान, गन्ने का दाम, स्वामीनाथन कमेटी की रिपोर्ट, बेसहारा पशु, एमएसपी गारंटी कानून आदि की मांग को भी टिकैत ने महापंचायत के मंच से रखा। भाकियू की महापंचायत के दौरान सुरक्षा के चलते दोपहर में कमिश्नरी पार्क के आसपास पुलिस ने ड्रोन उड़ाकर नजर रखी। अफसर दूर बैठकर ही सबपर नजर रखे हुए थे। बड़ी संख्या में चारों तरफ पुलिसकर्मी थी। सादे कपड़ों में भी सिपाही घूम रहे थे।

इसके अलावा खुफिया विभाग के कर्मचारी भी नजर रखे हुए थे। उधर, हापुड़ से आए विकास और बागपत से आए सुरेंद्र की किसी ने जेब काट ली थी। कुछ अन्य की जेब पर भी हाथ साफ हो गया था। राकेश टिकैत ने कहा कि विपक्ष को सरकार खूंटे से बांधने का काम कर रही है। समय आ गया है कि इनके खूंटे उखाड़ने पड़ेंगे। आंदोलन को मजबूत रखना होगा। किसानों को नशे से दूर रहना होगा व झगड़ा बिल्कुल नहीं करना है। किसान के 10 साल पुराने ट्रैक्टर को लेकर कहा कि यदि ट्रैक्टर पर रोक लगाने का प्रयास भी किया गया तो ट्रैक्टर किसान का टैंक बनेगा। किसान किसी प्रकार ट्रैक्टर खरीदकर खेती करता है, लेकिन 10 साल होते ही सरकार कहती है ट्रैक्टर काटना पड़ेगा।

'साहेब जेल में डालकर मेरा हौसला नहीं तोड़ सकते', तिहाड़ से मनीष सिसोदिया का बीजेपी को बड़ा संदेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली शराब घोटाले में कथित संलिप्तता के आरोप में गिरफ्तार दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने जेल से अपने ताजा ट्वीट में भाजपा पर निशाना साधा है। आप के वरिष्ठ नेता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर परोक्ष रूप से हमला करते हुए कहा, ÷सर, आप मुझे जेल में डालकर परेशान कर सकते हैं। लेकिन मेरा हौसला नहीं तोड़ सकते। जेल से मनीष सिसोदिया का संदेश नाम से ट्वीट उनके ट्विटर अकाउंट से किया गया जिसमें लिखा था- साहेब जेल में डालकर मुझे कष्ट पहुँचा सकते हो, मगर मेरे हौसले नहीं तोड़ सकते, कष्ट अंग्रेजो ने भी स्वतंत्रता सेनानियों को दिए, मगर उनके हौसले नहीं टूटे।

गिरफ्तार आप नेता ने उन दिनों को भी याद

किया जब भारतीय स्वतंत्रता सेनानी अंग्रेजों से परेशान थे, उन्होंने अपनी वर्तमान स्थिति की भारत के स्वतंत्रता संग्राम से तुलना करते हुए कहा कि वे (स्वतंत्रता सेनानी) कठिनाइयों के बावजूद दृढ़ संकल्पित रहे। दिल्ली शराब नीति मामले में करीब आठ घंटे की पूछताछ के बाद मनीष सिसोदिया को सीबीआई ने 26 फरवरी को गिरफ्तार किया था. मनीष सिसोदिया को भारतीय दंड संहिता की धारा 120 बी (आपराधिक साजिश), 477 ए (धोखाधड़ी करने का इरादा) और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 7 के तहत गिरफ्तार किया गया था।

सीबीआई ने कहा कि मनीष सिसोदिया के जवाब संतोषजनक नहीं थे और वह जांच में सहयोग नहीं कर रहे थे। सूत्रों के मुताबिक, दिल्ली शराब नीति में कुछ विवादास्पद प्रावधान जोड़े गए थे जो पहले मसौदे का हिस्सा नहीं थे। सीबीआई द्वारा इसके बारे में पूछे जाने पर, सिसोदिया यह बताने में विफल रहे कि उन प्रावधानों को अंतिम मसौदे में कैसे शामिल किया गया।

यूपी के इतिहास में सबसे भ्रष्ट सरकार हैं योगी सरकार: शिवपाल

इटावा (एजेंसी)। उत्तरप्रदेश के इटावा जिले में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल सिंह यादव ने योगी सरकार पर बड़ा हमला किया है। शिवपाल ने योगी सरकार के अधिकारियों को भ्रष्टाचारी करार दिया। उन्होंने कहा कि योगी सरकार सबसे बड़ी भ्रष्टाचारी है। बीजेपी ने भ्रष्टाचार के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। हर विभाग में जमकर भ्रष्टाचार हो रहा है। जानकारी के मुताबिक, सपा के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल सिंह यादव शहर में एक निजी स्कूल के उद्घाटन कार्यक्रम में पहुंचे थे। शिवपाल ने मंच से अपने संबोधन में उच्च शिक्षा को लेकर

लोगों को जागरूक किया। उसके बाद शिवपाल मंच से प्रदेश की बीजेपी सरकार पर जमकर बरसे। उन्होंने प्रदेश में व्याप्त भ्रष्टाचार को लेकर कहा कि यूपी में इससे पहले कोई दूसरी भ्रष्ट सरकार नहीं आई है। पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी जमकर भ्रष्टाचार करने में जुटे हुए हैं। हर संस्था और यहां तक कि न्यायपालिका में भी भ्रष्टाचार ही भ्रष्टाचार नजर आ रहा है। हमने 50 साल पहले तक का समय देखा है, जब आईएएस, आईपीएस अधिकारी कभी झूठ नहीं बोलते थे, लेकिन अब अधिकारियों ने सारे रिकॉर्ड तोड दिए।

गौरतलब है समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल सिंह यादव लगातार प्रदेश सरकार पर हमलावर है।

बेंगलुरु-मैसूर एक्सप्रेसवे का आज पीएम मोदी करेंगे उद्घाटन

-जेडी(एस) का दावा पूर्व पीएम देवेगौड़ा का ड्रीम प्रोजेक्ट

बेंगलुरु (एजेंसी)। देश को बेंगलुरु-मैसूर एक्सप्रेसवे के रूप में एक नया एक्सप्रेसवे मिलने वाला है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 12 मार्च रविवार को नए मार्ग का उद्घाटन करने वाले हैं। वहीं, प्रधानमंत्री मोदी द्वारा बेंगलुरू-मैसूर एक्सप्रेसवे के उद्घाटन से पहले ही जनता दल सेकूलर ने एक अभियान शुरू कर दावा किया है, कि यह पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा का एक ड्रीम प्रोजेक्ट था।

बता दें कि पीएम मोदी रविवार को एक्सप्रेसवे का उद्घाटन करने के बाद मांड्या जिले में रोड शो और मेगा जनसभा को भी संबोधित करने वाले हैं। जिले को वोक्कालिगा गढ़ माना जाता है और जेडी(एस) इस क्षेत्र से अपनी ताकत प्राप्त करता रहा है। वहीं, राज्य में सत्तारूढ़ भाजपा क्षेत्र के वोट बैंक को साधने

के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मांड्या का दौरा कर इस संबंध में पार्टी नेताओं के साथ कई बैठकें की थीं। जेडी(एस) ने कर्नाटक के समाचार पत्रों में पूरे पृष्ठ का विज्ञापन जारी किया है जिसमें दावा किया है, कि बेंगलुरु-मैसूर एक्सप्रेसवे देवेगौड़ा का ड्रीम प्रोजेक्ट है।

बेंगलुरू-मैसूर सड़क मार्ग इतना खराब था कि 1983 में बिदादी के पास एक बस दुर्घटना में तमिलनाडु के 23 छात्रों की मौत हो गई थी। छात्र एकेडमिक टूर पर थे और हादसा उस वक्त हुआ जब बस मुड़ रही थी। तब पीडब्ल्यूडी व सिंचाई मंत्री देवेगौड़ा ने फोर लेन सड़क बनवाई थी। जेडी(एस) का दावा है कि, बाद में, उन्होंने बेंगलुरु-मैसूर एक्सप्रेसवे के लिए रणनीतिक विकल्प अध्ययन करने के लिए विशेषज्ञ संस्थान नियुक्त किया। देवे गोवा ने 1991 में राज्य के मुख्यमंत्री के रूप में बेंगलुरु-मैसूर इंफ्रास्ट्रक्चर कॉरिडोर के लिए काम शुरू किया। पार्टी ने आगे दावा किया, 1995 में, एक संघ का गठन किया गया था और कर्नाटक सरकार और अमेरिका के मैसाचुसेट्स गवर्नर के बीच एक समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। हालांकि, सत्तारूढ़ भाजपा ने कहा है कि परियोजना को राज्य और केंद्र में डबल इंजन सरकार के साथ लागू किया गया था।

कलकत्ता हाईकोर्ट ने दिया ग्रुप सी के 842 कर्मचारियों को बर्खास्त करने का आदेश दिया

- बंगाल के विभिन्न सरकारी स्कूलों में अवैध रूप से की गई थीं नियुक्तियां

कोलकाता (एजेंसी)। कलकत्ता उच्च न्यायालय ने ग्रुप सी श्रेणी के 842 गैर-शिक्षण कर्मचारियों की सेवाओं को समाप्त करने का आदेश दिया, जिन्हें कथित तौर पर पश्चिम बंगाल के विभिन्न सरकारी स्कूलों में अवैध रूप से नियुक्तियां प्रदान की गई थीं। कलकत्ता उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति अभिजीत गंगोपाध्याय की एकल न्यायालयीन पीठ ने पश्चिम बंगाल स्कूल सेवा आयोग (डब्ल्यूबीएसएससी) और पश्चिम बंगाल माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (डब्ल्यूबीबीएसई) को शनिवार दोपहर 12 बजे तक इस संबंध में अनुशंसा पत्र रद्द करने और सेवाओं की समाप्ति पर अलग-अलग अधिसूचना जारी करने का निर्देश दिया। न्यायमूर्ति गंगोपाध्याय ने आयोग और बोर्ड को यह सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिया कि अब से इन ग्रुप सी के कर्मचारियों को कोई वेतन नहीं दिया जाएगा। शुक्रवार को न्यायमूर्ति गंगोपाध्याय का आदेश डब्ल्यूबीएसएससी द्वारा अदालत में यह बताने के बाद आया कि इन 842 ग्रुप सी कर्मचारियों में से 785 ने ऑप्टिकल मार्क रिकग्निशन शीट के साथ छेड़छाड़ करके नियुक्तियां हासिल कीं, जबकि शेष 57 को आयोग की वैध सिफारिशों के बिना नियुक्तियां मिलीं। आदेश पारित करते हुए न्यायमूर्ति गंगोपाध्याय ने कहा कि न तो आयोग और न ही राज्य शिक्षा विभाग इतने बड़े पैमाने पर भर्ती भ्रष्टाचार की जिम्मेदारी लेने से बच सकता है।

अफगानिस्तान : पत्रकारों के पुरस्कार समारोह में विस्फोट, एक व्यक्ति की मौत, पांच घायल

जलालाबाद (अफगानिस्तान)। अफगानिस्तान के मजार-ए-शरीफ शहर में पत्रकारों के लिए शनिवार को आयोजित एक पुरस्कार समारोह के दौरान हुए बम विस्फोट में कम से कम एक व्यक्ति की मौत हो गई और पांच घायल हो गए। बल्ख पुलिस के लिए तालिबान द्वारा नियुक्त प्रवक्ता मोहम्मद आसिफ वजीरी ने बताया कि बल्ख प्रांत की राजधानी मजार-ए-शरीफ के ताबियान फरहांग केंद्र में पूर्वाह्न 11 बजे पुरस्कार समारोह के लिए पत्रकार एकत्र हुए थे, तभी यह विस्फोट हो गया। इससे दो दिन पहले मजार-ए-शरीफ में बम धमाके में एक प्रांतीय गवर्नर सहित तीन लोगों की मौत हो गई थी और चार घायल हो गए थे। शनिवार को हुए हादसे में जान गंवाने वाले व्यक्ति की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है, लेकिन पांच घायलों में पत्रकार शामिल हैं। इनमें 'आर्याना न्यूज' टेलीविजन चैनल का रिपोर्टर नजीब फरयाद शामिल है। फरयाद ने कहा कि उसे महसूस हुआ कि जैसे उसकी पीठ में कोई चीज आकर लगी। इसके बाद एक जोरदार आवाज हुई और वह जमीन पर गिर गया। इस हमले की अभी किसी ने जिम्मेदारी नहीं ली है, लेकिन इस्लामिक स्टेट समूह से जुड़ा क्षेत्रीय संगठन 'इस्लामिक स्टेट इन खुरासान प्रोविंस' तालिबान का अहम प्रतिद्वंद्वी है। तालिबान ने अगस्त 2021 में अफगानिस्तान की सत्ता पर कब्जा किया था, जिसके बाद से इस संगठन के हमले बढ़े हैं। इन अधिकतर हमलों में तालिबानी गश्ती दलों और अफगानिस्तान के शिया अल्पसंख्यक समुदाय के सदस्यों को निशाना बनाया गया है।

कैलिफोर्निया में तूफान से 13 की मौत

सैन फ्रांसिस्को । हाल ही में आए ऐतिहासिक तूफान के कारण दक्षिणी कैलिफोर्निया में बर्फ में दबकर 13 लोगों की मौत हो गई है। सैन बर्नार्डिनो काउंटी कोरोनर के कार्यालय के हवाले से बताया कि 26 फरवरी से 8 मार्च तक पहाड़ों में 13 लोगों की मौत हुई। बर्फीले तूफानों ने क्षेत्र को तबाह कर दिया। कोरोनर ने अब तक केवल एक मौत की पुष्टि की है, जबकि आठ अन्य मौतों की जांच की जा रही है। बचाव कार्यों में भाग लेने वाले एक स्वयंसेवक ने बताया, अभी बहुत कुछ किया जाना है। यहां बहुत ठंड है। इसकारण अगर किसी के पास अपने घर को गर्म करने के लिए बिजली या गैस नहीं है, तब वे जम कर मर सकते हैं। तीन मीटर से अधिक बर्फ ने पर्वतीय क्षेत्रों तक सड़क मार्ग को अवरुद्ध कर दिया है। इससे भोजन, दवा और ईंधन की आपूर्ति कम हो रही है। फंसे हुए स्थानीय लोगों को बिजली के बिना रहने को मजबूर होना पड़ रहा है। कैलिफोर्निया के गवर्नर गेविन न्यूजोम ने 1 मार्च को क्षेत्र में आपातकाल की स्थिति घोषित की।

कैलिफोर्निया में गुरुद्वारे पर हमले की साजिश रचने को लेकर भारतीय मूल का सिख नेता गिरफ्तार

न्यूयॉर्क। अमेरिका के कैलिफोर्निया में कई लोगों को गोली मारने और एक गुरुद्वारा को आग के हवाले करने के लिए कथित तौर पर भाड़े पर बदमाशों को रखने का प्रयास करने को लेकर भारतीय मूल के 60 वर्षीय एक सिख व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। मीडिया में आई खबरों में यह बताया गया है। बेकर्सफील्ड डॉट कॉम पोर्टल की खबर के अनुसार, गुरुद्वारा शहीद बाबा दीप सिंह जी खालसा दरबार को कथित तौर पर निशाना बनाने और संपत्ति को आग के हवाले करने को लेकर बेकर्सफील्ड सिटी काउंसिल के पूर्व उम्मीदवार राजवीर राज सिंह गिल को चार मार्च को गिरफ्तार किया गया। खबर में कहा गया है कि गिल के आवास पर अधिकारियों ने तलाशी वारंट तामील किया था, जिसके बाद उसे छह आरोपों के सिलसिले में गिरफ्तार किया गया। बेकर्सफील्ड पुलिस विभाग ने कहा कि गिल ने गुरुद्वारा को आग के हवाले करने और अपने साथ विवाद वाले लोगों को गोली मारने के लिए कुछ लोगों को रकम की पेशकश करने की कोशिश की थी। गिल ने 2022 में सिटी काउंसिल वार्ड 7 का चुनाव मनप्रीत कौर के खिलाफ लड़ने की कोशिश की थी। कौर चुनाव जीत गई और वह बेकर्सफील्ड सिटी काउंसिल के लिए निर्वाचित पहली सिख पंजाबी महिला है।

दिमाग में सपनों की स्कैनिंग करके छवि कार्यों में प्रिंट होगी

टोक्यो। जापान के वैज्ञानिकों ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के माध्यम से ब्रेन की स्कैनिंग करने में बड़ी सफलता हासिल की है। दिमाग में सपने के रूप में भी जो देखा जाएगा। उसकी छवि को कागजों पर प्रिंट भी किया जा सकेगा। जापान की ओसाका यूनिवर्सिटी के शोधकर्ता शिनजी निशिमोटो तथा यू ताकागी ने मस्तिष्क में होने वाली गतिविधियों की एआई की मदद से छवियों में परिवर्तित करने की तकनीकी विकसित की है। इससे पहले एआई से चेहरों के चित्र बनाए जाते थे। अब उसी तरह से टेक्स्ट टू इमेज जनरेट स्टेबल डिफ्यूजन एआई एल्गोरिदम का इस्तेमाल किया गया है। यह ब्रेन स्कैन को डिकोड करने के लिए उपयोग में लाया जाता है। सपने में हमारा मस्तिष्क जिस छवि को देखता है। उसको टेम्पोरल लोब उसकी जानकारी दर्ज करता है। ओसीसीपिटल लोब सोचने के तरीके को रिकॉर्ड करता है। इस दौरान रक्त प्रवाह में जो परिवर्तन होता है। उन्हीं परिवर्तन को एआई की मदद से चित्र में बदल देता है। इस तकनीकी के माध्यम से अब सपने भी रिकॉर्ड किए जा सकते हैं। इस खोज से सबसे ज्यादा फायदा लकवा पीड़ित मरीजों को होगा। वहीं पशुओं और पक्षियों के बारे में भी जाने में आसानी होगी। कि वह किस तरह से देखते, समझते और सोचते हैं।

तुर्किए में संसदीय और राष्ट्रपति चुनाव 14 मई को

तुर्किये। छह फरवरी को आये विनाशकारी भूकंप में करीब 50,000 लोगों की मौत होने के बावजूद राष्ट्रपति रजब तैयप एर्दोआन ने देश में निर्धारित समय से एक महीने पहले 14 मई को संसदीय और राष्ट्रपति चुनाव कराने के फैसले को औपचारिक मंजूरी दे दी। यह देश में पिछले कई दशकों में सर्वाधिक महत्वपूर्ण चुनाव हो सकता है। एर्दोआन तुर्किये पर 2003 से शासन कर रहे हैं और वह अपने कार्यकाल का विस्तार करना चाहते हैं। हालांकि, आगामी चुनाव उनके के लिए सबसे कड़ी चुनावी चुनौती हो सकती है। इस सप्ताह की शुरूआत में राष्ट्रवादियों, इस्लामवादियों और कट्टरपंथियों सहित विपक्षी दलों ने राष्ट्रपति चुनाव में एर्दोआन के खिलाफ एक संयुक्त उम्मीदवार उतारने की घोषणा की थी। एर्दोआन ने आधिकारिक गजट में प्रकाशित चुनाव की तारीख की पुष्टि करने वाले फैसले पर हस्ताक्षर करने के बाद कहा ?कि चुनाव कराने का हमारा फैसला देश के लिए लाभकारी हो सकता है। अब सर्वोच्च चुनावी परिषद (सुप्रीम इलेक्टोरल काउंसिल) चुनाव कार्यक्रम तैयार करेगी।

नेपाल में डॉक्टरों ने एक व्यक्ति के पेट से वोदका की बोतल निकाली

काठमांडू। नेपाल में चिकित्सकों ने 26 वर्षीय व्यक्ति की सर्जरी कर उसके पेट से वोदका की बोतल निकाली। एक खबर के अनुसार रौतहट जिले की गुजारा नगरपालिका में रहने वाले नूरसाद मंसूरी ने पेट में तेज दर्द की शिकायत की, जिसके बाद हुई जांच के दौरान वोदका की बोतल मिली। खबर में कहा गया है कि पांच दिन पहले उसे एक अस्पताल में भर्ती कराया गया और ढाई घंटे की सर्जरी के बाद उसके पेट से सफलतापूर्वक बोतल निकाल ली गई। एक चिकित्सक ने बताया कि बोतल से उसकी आंत फट गई थी, जिसके कारण मल का रिसाव और आंतों में सूजन हो रही थी। लेकिन अब वह खतरे से बाहर है। पुलिस ने कहा कि हो सकता है कि नूरसाद के दोस्तों ने उसे शराब पिलाई हो और मलाशय के रास्ते उसके पेट में जबरदस्ती बोतल घुसा दी हो। रिपोर्ट में कहा गया है कि संदेह है कि बोतल मलाशय के रास्ते नूरसाद के पेट में डाली गई। रौतहट पुलिस ने घटना के सिलसिले में शेख समीम नामक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है और नूरसाद के कुछ दोस्तों से भी पूछताछ की है। खबर मेंचंद्रपुर पुलिस कार्यालय के हवाले से कहा गया है कि हमें समीम पर शक है, इसलिए हमने उसे हिरासत में ले रखा है और जांच कर रहे हैं। रौतहट के पुलिस अधीक्षक बीर बहादुर बुढा मागर ने कहा कि नूरसाद के कुछ अन्य दोस्त फरार हैं और हम उनकी तलाश कर रहे हैं।

त्तर कोरिया में एक अज्ञात स्थल से मिसाइलें दागने का अभ्यास किया गया।

नेपाल के प्रधानमंत्री प्रचंड को कारण बताओ नोटिस जारी

काठमांडू। नेपाल के उच्चतम न्यायालय ने एक रिट याचिका पर प्रधानमंत्री पुष्प कमल दाहाल प्रचंड को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। याचिका में अनुरोध किया गया है कि देश में एक दशक तक चले माओवादी उग्रवाद के दौरान पांच हजार लोगों की मौत की जिम्मेदारी लेने के लिए प्रचंड के खिलाफ आपराधिक मुकदमा चलाने का अनुरोध किया गया है। उच्चतम न्यायालय के सूत्रों के अनुसार अधिवक्ता ज्ञानेंद्र आरण और माओवादी उग्रवाद के अन्य पीड़ितों ने मंगलवार को यह याचिका दायर की थी। सूत्रों ने कहा कि कल्याण बुद्धथोकी नामक व्यक्ति की एक और रिट याचिका पंजीकरण की प्रक्रिया में है। शीर्ष अदालत ने मौजूदा संदर्भ में आदेश पारित करने के लिए पर्याप्त कारण नहीं होने का हवाला देते हुए कहा कि अंतरिम आदेश जारी करना आवश्यक नहीं है। याचिकाकर्ताओं ने मांग की थी कि अदालत 68 वर्षीय प्रधानमंत्री प्रचंड को गिरफ्तार करने के लिए अंतरिम आदेश जारी करे। उल्लेखनीय है कि 15 जनवरी, 2020 को काठमांडू में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए, प्रचंड ने कथित तौर पर कहा था कि एक दशक तक विद्रोह का नेतृत्व करने वाली माओइस्ट पार्टी के नेता के रूप में वह 5,000 लोगों की मौत की जिम्मेदारी लेते हैं और देश को शेष मौतों की जिम्मेदारी लेनी चाहिए। अनुमान है कि एक दशक तक चले उग्रवाद के दौरान लगभग 17,000 लोगों की मौत हुई। प्रचंड ने जनयुद्ध के नाम पर एक दशक तक सशस्त्र संघर्ष चलाया था।

पाकिस्तान के सामने कश्मीर को संयुक्त राष्ट्र के एजेंडे के केंद्र में लाने का मुश्किल काम: जरदारी

वॉशिंगटन (एजेंसी)। संयुक्त राष्ट्र। पाकिस्तान के विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी ने स्वीकार किया है कि उनके देश के सामने कश्मीर मामले को संयुक्त राष्ट्र के एजेंडे के केंद्र में लाने का ''मुश्किल कार्य'' है। भारत का जिक्र करते हुए जरदारी की जुबान लड़खड़ाई और उन्होंने 'पड़ोसी' शब्द का इस्तेमाल करने से पहले उसके लिए 'हमारे मित्र' शब्दों का इस्तेमाल किया।

जरदारी ने फलस्तीन और कश्मीर के हालात को 'एक समान' बताये जाने वाले एक प्रश्न के जवाब में यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''आपने यह सही कहा कि हमारे सामने कश्मीर को संयुक्त राष्ट्र के एजेंडे के केंद्र में लाने का विशेष रूप से मुश्किल काम है।'' पाकिस्तान संयुक्त राष्ट्र के हर मंच पर जम्मू-कश्मीर का मुद्दा उठाता है, भले ही किसी भी विषय या एजेंडे पर चर्चा की जा रही हो। बहरहाल, वह इस मामले में संयुक्त राष्ट्र के सदस्यों का व्यापक समर्थन हासिल करने में विफल रहा है। अधिकतर देश कश्मीर को भारत और पाकिस्तान के बीच द्विपक्षीय मामला मानते हैं। चौंतीस-वर्षीय विदेश मंत्री ने कहा, ''और कभी कश्मीर का मामला उठाया जाता है, तो हमारे मित्र... हमारे दोस्त... हमारे... हमारे... पड़ोसी देश कड़ा और जोर-शोर से विरोध करते हैं और हकीकत से परे अपने आख्यान पर स्थिर रहते हैं और दावा करते हैं कि यह संयुक्त राष्ट्र का विवाद नहीं है और यह विवादित क्षेत्र नहीं है।'' भारत ने पांच अगस्त, 2019 को जम्मू-कश्मीर का विशेष दर्जा समाप्त करने के लिए संविधान के अनुच्छेद 370 को निरस्त कर दिया था।

इसके बाद से भारत एवं पाकिस्तान के बीच तनाव और बढ़ गया है। भारत ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से साफ कहा है कि अनुच्छेद 370 को रद्द करना उसका आंतरिक मामला है। उसने पाकिस्तान को भी वास्तविकता स्वीकार करने और भारत-विरोधी सभी दुष्प्रचार रोकने की सलाह दी है। जरदारी ने कहा, ''सच्चाई को सामने लाना हमारे लिए मुश्किल है, लेकिन हम लगातार प्रयास कर रहे हैं।'' उन्होंने कहा कि वह हर मौके पर और हर मंच पर फलस्तीन और कश्मीर के लोगों की स्थिति का जिक्र करने का प्रयास करते हैं, भले ही वह संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद हो या कोई अन्य कार्यक्रम। जरदारी ने कहा, ''मुझे लगता है कि आपने जो समानता बताई है, वह उचित है। कश्मीर के लोगों की स्थिति और फलस्तीन के लोगों की स्थिति में कई समानताएं हैं। मेरे अनुसार यह कहना उचित है कि संयुक्त राष्ट्र ने दोनों मामलों पर ध्यान नहीं दिया और हम चाहते हैं कि न केवल फलस्तीन, बल्कि कश्मीर पर भी अतिरिक्त ध्यान दिया जाए।

उत्तर कोरिया में अधिक बच्चे पैदा करने वाली महिलाएं मानी जाएंगी देशभक्त

-तानाशाह किम जोंग ने अधिक बच्चा पैदा करने का दिया फरमान

प्योंगयांग (एजेंसी) उत्तर कोरिया में अब महिलाओं से ?यादा बच्चे पैदा करने के लिए कहा गया है। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर एक आधिकारिक आदेश जारी कर महिलाओं से कहा गया है कि वो ज्यादा बच्चों का बोझ उठाएं, ताकि ये बच्चे आगे चलकर देश की सेना में शामिल हो सकें। ऐसा करने से महिलाएं तानाशाह किम जोंग उन के लिए अपनी वफादारी साबित कर सकेंगी। मीडिया के अनुसार जो महिलाएं ज्यादा बच्चे पैदा करेंगी, उन्हें देशभक्त माना जाएगा। सूत्रों की तरफ से बताया गया है कि गृहणियों के लिए जारी होने वाले संबोधन में यह संदेश दिया गया है। इस संबोधन का मकसद हाउस वाइव्स को उनकी ड्यूटीज के बारे में बताना था।

पिछले हफ्ते इस तरह का एक लेक्चर आयोजित हुआ था। यह भाषण देश की सेना के लिए सक्रिय समर्थन के मकसद से आयोजित किया गया था। इस भाषण में ही कहा गया था कि ज्यादा बच्चे पैदा होने और उन्हें देश की सेना में भेजकर महिलाएं अपनी देशभक्ति साबित कर सकेंगी। इस भाषण को महिलाओं के लिए उस आधिकारिक रिमाइंडर के तौर पर माना जा रहा है जिसके तहत उन्हें एक पत्नी, बहू और मां के रोल के बारे में बताया गया। साथ ही उन्हें यह भी बताया गया है कि अपने पति और बच्चों को सपोर्ट कर कैसे महिलाएं देश की अर्थव्यवस्था में योगदान कर सकेंगी। रयांगयांग प्रांत में हुए इस भाषण में गर्भवती महिलाओं को देशभक्ति का एक बड़ा सुबूत बताया गया। सूत्रों के मुताबिक इन महिलाओं को उन देशभक्तों के तौर पर देखा गया था, जिन्होंने अपने सभी सात या आठ बच्चों को मिलिट्री में भेज दिया था। इस भाषण में इस बात पर जोर दिया गया कि कैसे देशभक्ति की भावना की उत्तर कोरिया को जरूरत है।

राष्ट्रपति शी जिनपिंग के करीबी ली कियांग बने चीन के नए प्रधानमंत्री, एनपीसी ने लगाई मुहर

बीजिंग (एजेंसी)। चीन के प्रधानमंत्री के रूप में ली कियांग ने शनिवार को शपथ ली। चीन की संसद ने राष्ट्रपति शी जिनपिंग के करीबी सहयोगी ली कियांग को देश का नया प्रधानमंत्री घोषित किया था। चीन की सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीसी) के प्रस्तावों को नियमित रूप से पारित करने वाली नेशनल पीपुल्स कांग्रेस (एनपीसी) के वार्षिक सत्र ने ली कियांग की उम्मीदवारी को मंजूरी दी। बता दें कि ली का नाम खुद चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने प्रस्तावित किया था।

63 वर्षीय ली कियांग को शी जिनपिंग का काफी करीबी माना जाता है। शी के बाद सीपीसी और सरकार के नंबर दो रैंक के अधिकारी ली कियांग ही होंगे। बता दें कि 10 मार्च को चीन की संसद ने शी जिनपिंग के अभूतपूर्व तीसरे पांच साल के कार्यकाल का समर्थन कर दिया है। वह आधिकारिक तौर पर लगातार तीसरी बार चीन के राष्ट्रपति चुने गए हैं। शी जिनपिंग, पार्टी के संस्थापक माओत्से तुंग के बाद पहले चीनी नेता बन गए हैं, जिन्हें राष्ट्रपति का तीसरा कार्यकाल मिला है। ली कियांग चीन के सबसे बड़े आधुनिक व्यापार केंद्र शंघाई में पार्टी के प्रमुख थे। कोरोनाकाल के दौरान ली ने शहर के 25 मिलियन लोगों की दो महीने की लॉकडाउन में देखरेख की थी। उम्मीद है कि ली कियांग दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था में निजी क्षेत्र के साथ-साथ विदेशी निवेश को प्रेरित करेंगे। इसके अलावा ली को चीन की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था को फिर से मजबूत करने की जिम्मेदारी भी सौंपी गई है।

खून की प्यासी और सत्ता के लिए भूखी है चीन की जिनपिंग सरकार: रिपब्लिकन सांसद माइक

-अमेरिकी सांसद ने कहा- चीन की कम्युनिस्ट पार्टी अब भी खतरा व धोखेबाज

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका और चीन के रिश्तों में तल्खी बरकरार है। कोविड-19 के दौर में तत्कालीन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चीन पर जमकर हमलो बोला था। वर्तमान राष्ट्रपति बाइडेन के दौर में भी यह सिलसिला जारी रहा। ताजा हमले में अमेरिकी सदन की एक विशेष समिति के रिपब्लिकन अध्यक्ष ने वाशिंगटन में चीनी दूतावास के बाहर एक रैली में शुक्रवार को बीजिंग सरकार को खून की प्यासी और सत्ता के लिए भूखी बताया है। रिपब्लिकन सांसद माइक गैलाघर चीन के शासन के खिलाफ 1959 के तिब्बत के असफल विद्रोह की याद में आयोजित इस रैली में शामिल हुए। यह रैली ऐसे वक्त में की गयी, जब अमेरिका और चीन के बीच तनाव बढ़ रहा है। तिब्बती समुदाय के सदस्यों से बातचीत में गैलाघर ने कहा कि वह आजादी और संस्कृति के लिए लड़ाई में उनके साहस को पहचान देना चाहते हैं।

उन्होंने तिब्बती लोगों को चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के सांस्कृतिक नरसंहार का पीड़ित बताया। उन्होंने कहा कि वे जरा भी नहीं बदले। चीन की कम्युनिस्ट पार्टी अब भी खतरा है, वह धोखेबाज, सत्ता के लिए भूखी और खून की प्यासी है।

उल्लेखनीय है कि चीन सदियों से तिब्बत पर अपना दावा जताता रहा है और उसकी दलील है कि उसने क्षेत्र में जीवन जीने की स्थितियों में सुधार किया है तथा गरीबी कम की है। उसका कहना है कि अमेरिका और उसके सहयोगी देश बीजिंग पर तिब्बती लोगों के मानवाधिकारों का उल्लंघन करने का झूठा आरोप लगाते हैं। गैलाघर ने कहा कि हम देख रहे हैं कि सीसीपी हमारी अपनी संप्रभुता को कमजोर करने की कोशिश कर रही है, चाहे वह चीन के जासूसी गुब्बारे के जरिए हो या सीसीपी द्वारा नियंत्रित एल्गोरिद्म या फेंटानिल के जरिए हो, जिससे एक साल में 70 हजार अमेरिकियों की मौत होती है।

अंतरिक्ष में एक बेहद दुर्लभ आकाशगंगा का पता चला, इसमें समा जाएं 1000 करोड़ वजनी सूरज

ह्यूस्टन। अंतरिक्ष में एक बेहद दुर्लभ आकाशगंगा का पता चला है, जिसके अंदर तीन विशालकाय ब्लैक होल्स हैं। दुर्लभ आकाशगंगा इसलिए कहा गया, क्योंकि इसमें तीन गैलेक्सी मिल रही हैं। ये सब मिलकर ब्रह्मांड की सबसे बड़ी वस्तु बना रहे हैं। ये ब्लैक होल्स इतने बड़े हैं कि वो 1000 करोड़ सूरज के वजन के बराबर होंगे यानी ये ब्लैक होल्स हमारे सूरज से 30 हजार करोड़ गुना बड़े हैं। ये ब्लैक होल्स हमारे मिल्की वे आकाशगंगा में मौजूद ब्लैक होल्स से लाखों गुना बड़े हैं। वैज्ञानिक इन मिलती हुई तीन आकाशगंगाओं की स्टडी एस्ट्रीड तकनीक से कर रहे हैं। यह एक हाई रेजोल्यूशन कॉस्मोलॉजिकल सिमुलेशन है। इसके जरिए वैज्ञानिकों ने ब्रह्मांड की उत्पत्ति का समय खोज रहे हैं, जिसे करीब 1100 करोड़ साल पुराना माना जा रहा है। इसी दौरान वैज्ञानिकों को इस विशालकाय ब्लैक होल का पता चला, जो तीन आकाशगंगाओं के मिलन वाली जगह पर मौजूद है। हर आकाशगंगा के खुद के क्वासार हैं। क्वासार वो विशालकाय ब्लैक होल होते हैं, जो रेडिएशन और गैस को खाते रहते हैं। ये आसपास के तारों और ग्रहों के रेडिएशन और गैस को निगल जाते हैं। जब तीनों आकाशगंगाओं के क्वासार आपस में मिले तो उन्होंने मिलकर एक अत्यधिक विशालयकाय ब्लैक होल बना लिया। अब ये ताकतवर ब्लैक होल अपने आसपास की चीजों को राक्षस की तरह खा रहा है। कुछ भी नहीं छोड़ रहा है।

निक्की हेली कुछ भी दावा करे पर बाइडेन का पाकिस्तान प्रेम फिर आया सामने, अमेरिका करेगा कंगाल देश पर डॉलर की बरसात

वाशिंगटन (एजेंसी)। दाने दाने को मोहताज मुल्क पाकिस्तान की मुसीबतें वक्त के साथ बिगड़ती जा रही है। वहीं आर्थिक संकट झेल रहा देश इन दिनों राजनीतिक अस्थिरता का दौर भी देख रहा है। पाकिस्तान की बेचारगी पर अब खुद को सुपर पावर मुल्क बताने वाले अमेरिका का दिल पसीज गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने तय किया है कि वो इस मुल्क को आर्थिक बदहाली के दौर से बाहर लेकर आएंगे। प्राप्त जानकारी के अनुसार बाइडेन ने देश को मिलने वाली आर्थिक सहायता को दोगुना करने का प्रस्ताव रखा है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने विनाशकारी बाढ़ से उबरने में मदद करने, ऊर्जा आपूर्ति में विविधता लाने और आपातकालीन तैयारी क्षमताओं के निर्माण के लिए गतिविधियों का समर्थन करने के लिए वित्त वर्ष 2024 के लिए संकटग्रस्त पाकिस्तान को आर्थिक सहायता कोष को दोगुना करके 82 मिलियन अमरीकी डालर करने का प्रस्ताव दिया है।

पाकिस्तान को मिल सकते हैं 82 मिलियन डॉलर

अमेरिकी विदेश विभाग ने कहा कि पाकिस्तान को दी जाने वाली सहायता निजी क्षेत्र के आर्थिक विकास का विस्तार करेगी, लोकतांत्रिक संस्थानों को मजबूत करेगी, और लैंगिक समानता और महिला सशक्तिकरण को आगे बढ़ाएगी। बजट में अक्टूबर से शुरू होने वाले वित्तीय वर्ष 2024 के लिए आर्थिक सहायता कोष श्रेणी के तहत पाकिस्तान को 82 मिलियन अमरीकी डालर देने का प्रस्ताव है। 2022 में समर्थन 39 मिलियन अमरीकी डालर था। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान को अंतर्राष्ट्रीय नशीले पदार्थों और कानून प्रवर्तन श्रेणी के तहत 17 मिलियन अमरीकी डालर और अंतर्राष्ट्रीय सैन्य शिक्षा और प्रशिक्षण श्रेणी के तहत 3.5 मिलियन अमरीकी डालर प्राप्त करने का भी प्रस्ताव है।

पाकिस्तान और आईएमएफ डील

वर्तमान में, कर्ज में फंसी पाकिस्तान सरकार अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के साथ एक समझौते पर पहुंचने के उपायों को लागू करने के लिए समय के खिलाफ दौड़ में है क्योंकि देश के पास आवश्यक आयात के एक महीने से अधिक के लिए मुश्किल से पर्याप्त भंडार है। 7 बिलियन अमेरिकी डॉलर के ऋण विस्तारित फंड सुविधा कार्यक्रम की नौवीं समीक्षा के पूरा होने पर आईएमएफ के साथ समझौता - जो पिछले साल के अंत से एक नीतिगत ढांचे पर विलंबित है - न केवल 1.2 बिलियन का संवितरण होगा बल्कि अंतर्वाह भी अनलॉक करेगा।

संपादकीय

क्यों देखें हम किसके पास क्या है

किसी भी कार्य की जन्म स्थली होती है मन की कल्पना।हमारे मन में ना जाने कितनी कल्पनायें बनती है और खत्म होती है।उन्हीं में सेएक़ाद कल्पना मन में स्थिर होती है और फिर उसके ऊपर चलता है चिंतन-मंथन। कोई भी नया कार्य को सफलता पाने के लिये उसकल्पना के बारे में दिन रात चिंतन मंथन करते रहो और जंहा कमियाँ लगे उसे सुधारते रहो।धीरे धीरे वो प्रयास एक सकारात्मक रूपलेकर हमारे सामने प्रस्तुत होता है।

यह सही बात है कि कुछ सोचेंगे तो ही कुछ नया करेंगे।अगर सोचेंगे ही नहीं तो क्या करेंगे। सफलता और प्रसन्नता दोनो स्वयं के हाथ मेंहैं । जब हम यह महसूस कर ले की मैं जो कर रहा हुँ वो काम कितना अच्छा है । अगर कार्य के संपादन में खुशी है और यह समझ नहींरहे है तो सफलता और प्रसन्नता नहीं मिलेगी क्यूँकि अपनी हालत तो ये है की - कहीं पे निगाहे कही पे निशाना या यूँ कहे की परायीथाली में घी चोको लागे। पड़ोसी के पास तो कितनी सुंदर कोठी है। वो पीछे वाली गली में जो श्रेष्ठी हैं सुना हैं उनकी बैंक में जमा रकमखासा मोटी है ।फलाँ कितना भाग्यशाली है कि उसका बेटा लंदन में पढ़ता है । उसका दूसरा बेटा मर्सिडीज में चढ़ता है। आदि-आदि दूसरों के पास क्या है यह हम क्यों देखे क्योंकि इसका कोई अन्त नहीं है । अगर इसकी जगह पेड़ की जड़ो की तरह अपने कार्य , लक्ष्यपे अडिग रहकर चले तो सफलता और प्रसन्नता दूर नहीं हैं । जो व्यक्ति सृजनात्मक रचनात्मक कार्य में लग जाते है उन्हे दूसरों की बुराईऔर दोष देखने का वक्त नहीं मिलता हैं । आचार्य तुलसी ने जो सपना संजोया वह विशाल धर्मसंघ की गरिमा को शत गुणित करनेवालाबना ।मन में गुंथी हुई सार्थक दिवास्वपन जीवन जीने की भव्यतम कल्पना का साकार रूप बनती है और वही हमारे सृजनशीलता मेंयथोचित रंग भरते है । वाल्ट डीजनी को अखबार संपादक ने यह कहकर निकाल दिया की उनके पास कल्पना और नए विचार नहीं ।वही आज वह दुनिया का बेस्ट कार्टून क्रियेटर है । तभी तो कहा है की मानव की कल्पना समग्र विश्व को भायी है । अद्भुत जिनका चिंतनउनकी ज्योति जगमगायी हैं ।

प्रदीप छाजेड़
(बोरावड़)

(12 मार्च) दांडी मार्च

दांडी में वाष्पीकरण द्वारा नमक बनाने के बाद, गांधी तट के साथ दक्षिण की ओर बढ़ते रहे, नमक बनाते रहे और रास्ते में सभाओं को संबोधित करते रहे। कांग्रेस पार्टी ने दांडी से 130,000 फीट (40 कि॰मी॰) दक्षिण में धरसाना साल्ट वर्क्स में सत्याग्रह करने की योजना बनाई। हालाँकि, गांधी को धरसाना में नियोजित कार्रवाई से कुछ दिन पहले 4-5 मई 1930 की मध्यरात्रि को गिरफ्तार कर लिया गया था।

(लेखक- विद्यावाचस्पति डॉक्टर अरविन्द प्रेमचंद जैन)

दांडी मार्च जिसे लबण सत्याग्रह, नमक मार्च और दांडी सत्याग्रह के रूप में भी जाना जाता है, महात्मा गांधी के नेतृत्व में औपनिवेशिक भारत में अहिंसक सविनय अवज्ञा का एक कार्य था। चौबीस दिवसीय मार्च 12 मार्च 1930 से 6 अप्रैल 1930 तक ब्रिटिश नमक एकाधिकार के खिलाफ कर प्रतिरोध और अहिंसक विरोध के प्रत्यक्ष कार्रवाई अभियान के रूप में चला। इस मार्च का एक अन्य कारण यह था कि सविनय अवज्ञा आंदोलन को एक मजबूत उद्घाटन की आवश्यकता थी जो अधिक लोगों को गांधी के उदाहरण का अनुसरण करने के लिए प्रेरित करे। गांधी ने इस मार्च की शुरुआत अपने 78 भरोसेमंद स्वयंसेवकों के साथ की थी।मार्च 240 मील (390 किमी), साबरमती आश्रम से दांडी तक फैला, जिसे उस समय (अब गुजरात राज्य में) नवसारी कहा जाता था। रास्ते में भारतीयों की बढ़ती संख्या उनके साथ जुड़ गई। जब गांधी ने 6 अप्रैल 1930 को सुबह 8:30 बजे ब्रिटिश राज नमक कानूनों को तोड़ा, तो इसने लाखों भारतीयों द्वारा नमक कानूनों के खिलाफ बड़े पैमाने पर सविनय अवज्ञा के कृत्यों को जन्म दिया।

दांडी में वाष्पीकरण द्वारा नमक बनाने के बाद, गांधी तट के साथ दक्षिण की ओर बढ़ते रहे, नमक बनाते रहे और रास्ते में सभाओं को संबोधित करते रहे। कांग्रेस पार्टी ने दांडी से 130,000 फीट (40 कि॰मी॰) दक्षिण में धरसाना साल्ट वर्क्स में सत्याग्रह करने की योजना बनाई। हालाँकि, गांधी को धरसाना में नियोजित कार्रवाई से कुछ दिन पहले 4-5 मई 1930 की मध्यरात्रि को गिरफ्तार कर लिया गया था। दांडी मार्च और आगामी धरसाना सत्याग्रह ने व्यापक समाचार पत्रों और न्यूज़रील कवरेज के माध्यम से भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन की ओर दुनिया भर का ध्यान आकर्षित किया। नमक कर के खिलाफ सत्याग्रह लगभग एक साल तक जारी रहा, गांधी की जेल से रिहाई और दूसरे गोलमेज सम्मेलन में वायसराय लॉर्ड इर्विन के साथ बातचीत के साथ समाप्त हुआ. हालांकि नमक सत्याग्रह के परिणामस्वरूप 60,000 से अधिक भारतीयों को जेल में डाल दिया गया अंग्रेजों ने तत्काल बड़ी रियायतें नहीं दीं।

नमक सत्याग्रह अभियान गांधी के अहिंसक विरोध के सिद्धांतों पर आधारित था, जिसे सत्याग्रह कहा जाता है, जिसका उन्होंने संक्षेप में सत्य-बल के रूप में अनुवाद किया।शाब्दिक रूप से, यह संस्कृत के शब्द सत्य, सत्य, और अग्रहा, आग्रह से बना है। 1930 की शुरुआत में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने ब्रिटिश शासन से भारतीय संप्रभुता और स्व-शासन जीतने के लिए अपनी मुख्य रणनीति के रूप में सत्याग्रह को चुना और अभियान को व्यवस्थित करने के लिए गांधी को नियुक्त किया। गांधी ने 1882 के ब्रिटिश नमक अधिनियम को सत्याग्रह के पहले लक्ष्य के रूप में चुना। दांडी के लिए नमक मार्च, और धरसाना में सैकड़ों अहिंसक प्रदर्शनकारियों की ब्रिटिश पुलिस द्वारा पिटाई, जिसे दुनिया भर में समाचार कवरेज मिला, ने सामाजिक और राजनीतिक अन्याय से लड़ने के लिए एक तकनीक के रूप में सविनय अवज्ञा के प्रभावी उपयोग का प्रदर्शन किया।1960 के दशक में अफ्रीकी अमेरिकियों और अन्य अल्पसंख्यक समूहों के नागरिक अधिकारों के लिए नागरिक अधिकार आंदोलन के दौरान गांधी और मार्च टू दांडी की सत्याग्रह शिक्षाओं का अमेरिकी कार्यकर्ताओं मार्टिन लूथर किंग,जेम्स बेवेल और अन्य पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ा। यह मार्च 1920-22 के असहयोग आंदोलन के बाद से ब्रिटिश सत्ता के लिए सबसे महत्वपूर्ण संगठित चुनौती थी, और 26 जनवरी 1930 को भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस द्वारा संप्रभुता और स्व-शासन की पूर्ण स्वराज की घोषणा का सीधे पालन किया। इसने दुनिया भर में ध्यान आकर्षित किया जिसने भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन को गति दी और राष्ट्रव्यापी सविनय अवज्ञा आंदोलन शुरू किया जो 1934 तक जारी रहा।

महात्मा गांधी और सरोजिनी नायडू मार्च के दौरान

31 दिसंबर 1929 की आधी रात को, कांग्रेस (भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस) ने लाहौर में रावी के तट पर भारत का तिरंगा झंडा फहराया। गांधी और जवाहरलाल नेहरू के नेतृत्व में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने 26 जनवरी 1930[को सार्वजनिक रूप से संप्रभुता और स्व-शासन, या पूर्ण स्वराज की घोषणा जारी की। (सचमुच संस्कृत में, पूर्ण, पूर्ण, स्व, स्व, राज, नियम, इसलिए पूर्ण स्व-शासन) घोषणा में करों को वापस लेने की तत्परता और कथन शामिल था:

हम मानते हैं कि किसी भी अन्य लोगों की तरह, भारतीय लोगों का यह अहरणीय अधिकार है कि वे स्वतंत्रता प्राप्त करें और अपने परिश्रम के फल का आनंद लें और जीवन की आवश्यकताएं प्राप्त करें, ताकि उन्हें विकास के पूर्ण अवसर मिल सकें। हम यह भी मानते हैं कि यदि कोई सरकार किसी व्यक्ति को इन अधिकारों से वंचित करती है और उनका दमन करती है तो लोगों को इसे बदलने या समाप्त करने का एक और अधिकार है। भारत में ब्रिटिश सरकार ने न केवल भारतीय लोगों को उनकी स्वतंत्रता से वंचित किया है, बल्कि जनता के शोषण पर आधारित है, और आर्थिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक रूप से भारत को बर्बाद कर दिया है। इसलिए, हम मानते हैं कि भारत को ब्रिटिश कनेक्शन को तोड़ देना चाहिए और पूर्ण स्वराज या पूर्ण संप्रभुता और स्व-शासन प्राप्त करना चाहिए। कांग्रेस कार्य समिति ने गांधी को सविनय अवज्ञा के पहले अधिनियम के आयोजन की जिम्मेदारी दी, साथ ही कांग्रेस स्वयं गांधी की गिरफ्तारी के बाद कार्यभार संभालने के लिए तैयार थी. गांधी की योजना ब्रिटिश नमक कर के उद्देश्य से सत्याग्रह के साथ सविनय अवज्ञा शुरू करने की थी। 1882 के नमक अधिनियम ने अंग्रेजों को नमक के संग्रह और निर्माण पर एकाधिकार दिया, इसके संचालन को सरकारी नमक डिपो तक सीमित कर दिया और नमक कर लगा दिया। नमक अधिनियम का उल्लंघन एक आपराधिक अपराध था। भले ही तट पर रहने वालों के लिए नमक स्वतंत्र रूप से उपलब्ध था (समुद्र के पानी के वाष्पीकरण द्वारा), भारतीयों को इसे औपनिवेशिक सरकार से खरीदने के लिए मजबूर किया गया था।

आज का राशीफल

मेष पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

वृषभ व्यावसायिक योजना सफल होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। आर्थिक संकट का सामना करना पड़ सकता है।

मिथुन आर्थिक व व्यावसायिक समस्या रहेगी। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा।

कर्क राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। प्रणय संबंध मधुर होंगे। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें।

सिंह पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। व्यर्थ के तनाव रहेंगे।

कन्या जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। आर्थिक संकट दूर होगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा।

तुला गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। व्यावसायिक योजना सफल होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। खानपान में संयम रखें। धन हानि की संभावना है। फिजूलखर्ची पर नियंत्रण रखें।

वृश्चिक व्यावसायिक दिशा में किए गए प्रयास फलीभूत होंगे। भाई या पड़ोसी का सहयोग रहेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

धनु पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। नेत्र विकार की संभावना है। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

मकर बेरोजगार व्यक्तियोंको रोजगार मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। आपके प्रभाव में वृद्धि होगी। जारी प्रयास सार्थक होंगे।

कुम्भ जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

मीन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। अनावश्यक कार्यों में खर्च करना पड़ सकता है। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। मांगलिक कार्यों में हिस्सेदारी रहेगी। व्यर्थ के तनाव भी मिलेंगे।

चुनाव प्रक्रिया को पारदर्शी विश्वसनीय बनाने की दिशा में एक कदम

(लेखक - कुमार कृष्णन/ईएमएस)

लोकतंत्र आम आदमी के हाथों में शांतिपूर्ण बदलाव की सुविधा देता है। किसी भी लोकतंत्र की साख उसकी पारदर्शी चुनाव व्यवस्था पर निर्भर करती है लोकतंत्र का मतलब है कि तमाम लोकतांत्रिक संस्थाएं बिना किसी दबाव के काम करें और उनकी विश्वसनीयता पूरी तरह बनी रहे।मुख्य चुनाव आयुक्तों और चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति के मामले में संविधान की चुप्पी और कानून की कमी के कारण जो रवैया अपनाया जा रहा है वह परेशान करने वाली परंपरा है। भारतीय संविधान की धारा 324 के अनुसार हमारे चुनाव आयोग को स्वायत्तता प्राप्त है। संविधान का अनुच्छेद-324 का चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति की बात करता है लेकिन नियुक्ति की प्रक्रिया के बारे में बात नहीं करता है। 73 साल में ऐसा नहीं किया गया और यही कारण है कि समय-समय पर केंद्र सरकारों ने इस प्रक्रिया का अपने हित में इस्तेमाल किया है। 2004 के बाद से कोई भी मुख्य चुनाव आयुक्त छह साल का कार्यकाल पूरा नहीं कर पाए। यूपीए के 10 साल के कार्यकाल में 6 मुख्य चुनाव आयुक्त बनाए गए। जबकि एनडीए के 8 साल के कार्यकाल में 8 मुख्य चुनाव आयुक्त बनाए गए। भारत निर्वाचन आयोग के मुख्य निर्वाचन आयुक्त और निर्वाचन आयुक्तों को नियुक्त करने की शक्ति को एकमात्र कार्यपालिका के अधिकार-क्षेत्र से हटा देने के सर्वोच्च न्यायालय के फैसले से चुनावों की निगरानी करने वाली चुनाव आयोग की आजादी को निश्चित रूप एक बड़ा बढ़ावा मिला है। सर्वोच्च न्यायालय ने यह फैसला सुनाया है कि प्रधानमंत्री, लोकसभा में विपक्ष के नेता या सबसे बड़े विपक्षी दल के नेता और भारत के मुख्य न्यायाधीश वाली एक तीन सदस्यीय समिति एक कानून पारित होने तक मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्तों का चयन करेगी। संविधान पीठ का यह फैसला ऐसे समय आया है जब निर्वाचन आयोग की विश्वसनीयता काफी दागदार हो चुकी है। इसलिए फैसले की अहमियत जाहिर है। यों तो पहले भी कभी-कभार निर्वाचन आयोग के निर्णयों पर सवाल उठे थे, पर कुल मिलाकर आयोग ने अपनी साख बनाए रखी थी। अब तक होता आया है कि मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्त की नियुक्ति राष्ट्रपति की ओर से जारी अधिसूचना से होता है। इसके लिए विधि मंत्रालय नामों की सिफारिश प्रधानमंत्री को करता है और फिर प्रधानमंत्री की मंजूरी के बाद राष्ट्रपति से नियुक्ति पर मुहर लगाई जाती है। आमतौर पर नौकरशाह की नियुक्ति इस पद पर की जाती है। इसका अधिकतम कार्यकाल छह साल होता है या 65 साल की उम्र तक इस पर चुनाव आयुक्त बने रह सकते हैं इनमें जो पहले आता है उस लागू होता है। सर्वोच्च न्यायालय ने 23 अक्टूबर 2018 को उस जनहित याचिका को संवैधानिक पीठ को भेज दिया था जिसमें कहा गया है कि चुनाव आयुक्तों और मुख्य चुनाव आयुक्त की नियुक्ति के लिए कलीजियम की तरह सिस्टम होना चाहिए। सर्वोच्च न्यायालय में अर्जी दाखिल कर कहा गया था कि केंद्र सरकार द्वारा चुनाव आयुक्तों और मुख्य चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति करना संविधान के अनुच्छेद-14 व अनुच्छेद 324 (2) का उल्लंघन है। मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्त की नियुक्ति को लेकर सुप्रीम कोर्ट में कई जनहित याचिकाएँ दाखिल कर इसके लिए कानून बनाने की माँग की गई थी। इस संबंध में पहली जनहित याचिका 2015 में अनूप वर्णवाल ने दायर की थी। इसको लेकर साल 2018 में भाजपा नेता एवं अधिवक्ता अश्विनी उपाध्याय ने दायर किया था।चुनाव आयुक्त की संख्या को लेकर संविधान में कोई निश्चित नंबर निर्धारित नहीं है। संविधान 324 (2) कहता है कि चुनाव आयोग में मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्त हो सकते हैं। ये राष्ट्रपति पर निर्भर करता है कि इनकी संख्या कितनी होगी। आजादी के बाद देश में चुनाव आयोग में केवल मुख्य चुनाव आयुक्त होते थे। 16 अक्टूबर 1989 को प्रधानमंत्री राजीव गांधी की सरकार ने दो और चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति की। इससे चुनाव आयोग एक बहु-सदस्यीय निकाय बन गया। ये नियुक्तियां 9वें आम चुनाव से पहली की गईं थी। उस वक्त कहा गया कि यह मुख्य चुनाव आयुक्त आरवीएस पेरी शास्त्री के पर कतरने के ली की गईं थी। 2 जनवरी 1990 को वीपी सिंह सरकार ने नियमों में संशोधन किया और चुनाव आयोग को फिर से एक सदस्यीय निकाय बना दिया। साल 1993 में नरसिम्हा राव सरकार ने फिर अध्यादेश के माध्यम से दो और चुनाव आयुक्तों की नियक्ति को मंजूरी दी। तब से चुनाव आयोग में मुख्य चुनाव आयुक्त के साथ दो चुनाव आयुक्त होते हैं। चुनाव सुधारों को लेकर दिनेश गोस्वामी कमेटी 1990 में बनी थी। उसकी सिफारिश कभी अमल में नहीं लाई गई। सर्वोच्च न्यायालय ने मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति को लेकर जो आदेश दिया है, वह दिनेश गोस्वामी कमेटी की सिफारिशों पर आधारित है। इस मामले की सुनवाई में संविधान पीठ ने इस कमिटी का जिक्र भी किया था। हालाँकि, सर्वोच्च न्यायालय ने अपने फैसले में समिति में प्रधानमंत्री को भी रखा है। दरअसल, इसके बाद इस मामले को संविधान पीठ को भेज दिया गया था। कोर्ट ने नवंबर 2022 में मामले की सुनवाई की थी। इस मामले में कोर्ट ने उस दौरान नियुक्त किए गए मुख्य निर्वाचन आयुक्त को लेकर कहा था कि चुनाव आयुक्त के रूप में अरुण गोयल की नियुक्ति 'बिजली की गति'से की गई थी। इस प्रक्रिया में 18 नवंबर को शुरू से अंत तक 24 घंटे से भी कम समय लगा। दरअसल, 1985 बैच के पंजाब कैडर के भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी अरुण गोयल ने 18 नवंबर 2022 को अपनी पिछली पोस्टिंग से स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति ले ली थी। इसके बाद 19 नवंबर 2022 को उन्हें चुनाव आयुक्त नियुक्त किया गया था और 21 नवंबर 2022 को वे कार्यभार संभाल लिए थे। दिनेश गोस्वामी कमिटी में यह भी कहा गया था कि चुनाव आयोग के पद से हटने के बाद कोई भी आयुक्त किसी सरकारी सिस्टम का हिस्सा नहीं होगा। उसे राज्यपाल भी नियुक्त नहीं किया जाएगा। गोस्वामी कमिटी की सिफारिशों के आधार पर 1990 में 70वाँ संविधान संशोधन विधेयक पेश किया गया, लेकिन यह पास नहीं हो सका। 1993 में इसे वापस ले लिया गया। इस फैसले के कई दूरगामी नजीजे के रूप में सामने आएंगे। चुनाव में धन और बाहुबल की भूमिका स्वीकार्य लोकतांत्रिक मूल्यों पर गंभीर दुष्प्रभाव डाल रही है और प्रक्रिया को भ्रष्ट बना रही है। तेजी से हो रहा राजनीति का अपराधीकरण, बूथों पर कब्जे, धांधली, हिंसा आदि बुराइयों को बढ़ावा दे रहा है। सरकारी मशीनरी, अर्थात सरकारी मीडिया और मंत्रालयों के स्टॉप का दुरुपयोग अगंभीर उम्मीदवारों की भागीदारी का बढ़ता संकट जैसी समस्याएं मतदान प्रक्रिया का हिस्सा बन चुकी हैं। सुधारात्मक उपाय करना समय की सबसे बड़ी ज़रूरत है।चुनाव सुधारों को लेकर जिन सुधारों की कल्पना की जाती है या इस बारे में जो भी ठोस सुझाव दिए जाते हैं, उनकी सफलता इसी पर निर्भर करती है कि आखिरकार लोग उस अमल के लिए कितने निगहबान होंगे। भारतीय चुनावों की आज उच्च श्रेणी की कायम हो पाई है, तो इसका श्रेय चुनाव आयोग को तो जाता है, लेकिन टी.एन.शेषन, के जे राव से लेकर आज तक के दौर में निर्वाचन आयोग इसलिए सफल क्योंकि उसके साथ जनमत की ताकत है।आज लगभग पूरे भरोसे के साथ यह कहा जा सकता है कि अपने यहां चुनाव भले स्वच्छ ना रह पाते हों, लेकिन परिणाम लोगों के वोट से ही तय होते हैं। मुमकिन है कि कई संदर्भों में वोट देने के पीछे जो प्रेरक कारण रहते हैं, उन्हें स्वस्थ ना माना जाए लेकिन उनकी जड़ें हमारे अपने समाज में हैं।

विचार मंथन

महंगाई का असर मोदी की छबि पर?

(लेखक - सनत जैन)

देश में महंगाई को लेकर हाहाकार मचा हुआ है। पेट्रोल डीजल और रसोई गैस के काम सारी दुनिया में कम हो रहे हैं। भारत में पेट्रोल और डीजल के दाम पिछले कई महीनों से स्थिर बना कर रखे हुए हैं अंतरराष्ट्रीय बाजार से पेट्रोल और डीजल की कीमतें तय करने की सरकार की नीति है। लेकिन पिछले कुछ महीनों से पेट्रोलियम कंपनियां सरकार की इस नीति का पालन नहीं कर रही हैं। अन्तरराष्ट्रीय बाजार में जब कच्चे तेल केदाम बढ़ रहे थे। पेट्रोलियम कंपनियां रोजाना डीजल, पेट्रोल के दाम बढ़ा रही थी। जब अन्तरराष्ट्रीय बाजार में पिछले माहों में लगातार कच्चे तेल के दाम घटे हैं। पेट्रोलियम कंपनियां रेट नहीं घटा रही है। यह आम नागरिकों एवं उपभोक्त के साथ धोखा है। सरकार की चुप्पी सभी को आश्चर्य में डाल रही है। रसोई गैस के दाम सारी दुनिया के देशों में सबसे ज्यादा महंगे भारत में हैं भारत के लोग सबसे महंगा गैस सिलेंडर खरीदने के लिए मजबूर हैं। वहीं सारी दुनिया के देशों में भारत का तीसरा नंबर है। जहां सबसे महंगा पेट्रोल और डीजल बिक रहा है। आर्थिक विशेषज्ञों के अनुसार सामान्य औसत मध्यमवर्गीय परिवार का 23 फीसदी से ज्यादा खर्च पेट्रोल डीजल और रसोई गैस में हो रहा है। जो दुनिया के अन्य देशों की तुलना में सार्वधिक है। पेट्रोल और डीजल महंगा होने से महंगाई पर इसकी मार देखी जा रही है। इसके कारण सभी वस्तुएं महंगी है, मजदूरी और कार्यालयों में काम करने के लिए जाने के लिए एकमात्र सहारा मोटरसाइकिल और मोपेड हैं। जिन लोगों को 10 से 12000 रू. मासिक का वेतन मिलता है या रोजगार से कमाई होती है उनको 3000रु. से ज्यादा हर माह अकेले पेट्रोल में खर्च करने पड़ रहे हैं। विकसित देशों के मुकाबले भारत में पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस में आम आदमी को कई गुना ज्यादा पैसा खर्च करना पड़ रहा है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में डॉलर के मुकाबले भारत की मुद्रा लगातार कमजोर होने से खाद एवं अन्य आयातित वस्तुओं की कीमत का असर भी आम आदमियों पर पड़ रहा है। सबसे बड़े आश्चर्य की बात यह है, कि भारत सरकार बढ़ती हुई महंगाई दूध और दूध से बने उत्पाद पेट्रोल डीजल और गैस की कीमतों को नियंत्रित करने के लिए कोई कार्यवाही नहीं कर रही है। जनवरी माह में आटा की कीमत बढ़ जाने के कारण आम आदमियों को इसका भी खामियाजा उठाना पड़ा। बिस्कुट और बैकरी से संबंधित सभी उत्पादन के रेट बढ़ गए थे। अब गेहूं और आटे के रेट कम होने के बाद भी उनके रेट नहीं घटाये हैं। जिसके कारण निम्न एवं मध्यम आय वर्ग का जीना दिनों दिन दुश्वार होता जा रहा है। आम जनता को बड़ा विश्वास था कि मोदी सरकार आएगी, तो अच्छे दिन आएंगे। महंगाई कम होगी, भ्रष्टाचार कम होगा। लेकिन मोदी सरकार पर जितना भरोसा उत्तर भारत की आम जनता ने दिखाया था। उत्तर भारत की आम जनता ही इस समय सबसे ज्यादा कष्ट भोग रही है। भगवान राम और रामराज्य के नाम पर उसे इतना ठगा जाएगा या इतनी तकलीफ होंगी। इसकी उसे कल्पना तक नहीं थी। प्रधानमंत्री मोदी एक विश्वास के रूप में जनता के सामने आए थे। लेकिन अब आम जनता अपने आप को अब ठगा हुआ महसूस कर रही है। आम जनता ने जो भरोसा मोदी जी पर जताया था। उसे बनाए रखने की जिम्मेदारी अब मोदी जी की है। 2024 के लोकसभा चुनाव के पूर्व यदि महंगाई, बेरोजगारी जैसी समस्याओं से राहत नहीं मिली तो इसमें सबसे ज्यादा नुकसान प्रधामंत्री नरेन्द्र मोदी की छबि में होगा।

किट्स की मदद से कलाकारी

डिफरेंट आर्ट वर्क के लिए अलग-अलग तरह के किट मार्केट में मौजूद हैं, बच्चे अपने आर्ट वर्क को देखते हुए इन्हें सिलेक्ट कर सकते हैं। आर्ट एंड क्राफ्ट की फील्ड में जितनी वैरायटी आ गई है, अब उतने ही वेरिएशन उनके किट्स में भी आ चुके हैं। डिफरेंट आर्ट वर्क के लिए अब अलग-अलग तरह के किट मार्केट में मौजूद हैं, बच्चे अपने आर्ट वर्क को ध्यान में रखते हुए इन्हें सिलेक्ट कर सकते हैं।

इको क्राफ्ट किट

यदि बच्चे कुछ पॉजिटिव आर्ट वर्क करना चाहते हैं, तो उनके लिए इको क्राफ्ट जैसे ऑप्शन बेहतर होंगे। इसमें रीसाइकल पेपर से लेकर वुडन बटन्स तक रहते हैं, जिसकी मदद से अर्थ फ्रेंडली क्राफ्ट बच्चे तैयार कर सकते हैं।

कलाइडोस्कोप के लिए मटेरियल

कलाइडोस्कोप बनाने के लिए अब तुम्हें अलग-अलग चीजें ढूंढने की जरूरत नहीं। इसके लिए भी किट मौजूद है, जिसकी मदद से तुम अपना मनपसंद कलाइडोस्कोप तैयार कर सकते हो। कुछ किट्स में तो 12 कलाइडोस्कोप बनाने तक के मटेरियल रहते हैं।

क्राफ्ट के लिए और भी जरूरी हैं कई चीजें

पेंट : इन्हें तुम पेंटब्रश, स्टिक्स, मार्बल, बबल या फिंगर की मदद से यूज कर सकते हो।
वुडन स्टिक : पपेट्स, स्टिक बिल्डिंग और आर्टिफिशियल फ्लावर्स बनाने में बड़े काम के साबित होते हैं।
बीड्स : होममेड ज्वैलरी के लिए या डेकोरेशन के लिए बीड्स का इस्तेमाल कर सकते हो।
किड्स फ्रेंडली सीजर : अब ऐसे सीजर्स अवेलेबल हैं, जिससे बच्चों को चोट लगने का खतरा कम रहता है।

कुछ चीजें हैं आस-पास

आर्ट एंड क्राफ्ट में यूज होने वाली कुछ ऐसी चीजें भी होती हैं जो तुम्हारे घर में वेस्ट के रूप में रहती हैं लेकिन तुम इन्हें अपने आर्ट वर्क को और बेहतर बनाने के लिए प्रयोग में ला सकते हो, जैसे:

- खाली टॉयलेट पेपर रोल
- खाली टिशू बॉक्स
- शूज बॉक्सेस
- प्लास्टिक कप्स
- दवाइयों की खाली शीशी
- बेकार बटन्स
- बबल रैप
- पेपर बैग
- किचन स्पोंज

इस कुएं में मौजूद है 30 किलोमीटर लंबी खुफिया सुरंग

पूरी दुनिया में तमाम ऐसे रहस्य हैं जिनके बारे में इंसान आज तक पता नहीं लगा पाया.इनमें से बहुत से रहस्य तो हमारे ही देश में मौजूद हैं जो आज भी लोगों को आश्चर्य में डाल देते हैं.आज हम आपको एक ऐसे ही रहस्य के बारे में बताने जा रहे हैं.बता दें कि पुराने जमाने में राजा-महाराजा अक्सर अपने राज्य में जगह-जगह कुआं खुदवाते रहते थे.जिससे जनता के लिए पानी की कमी न हो.उस जमाने में हर स्थान पर तमाम कुएं मिल जाया करते थे.जिनके अवशेष आज भी पाए जाते हैं.आज हम आपको एक ऐसे ही कुएं के बारे में बताने जा रहे हैं जिसके बारे में कहा जाता है कि इसमें एक खुफियाय सुरंग बनाई गई थी.
इस कुएं को 'रानी की बावड़ी' के नाम से जाना जाता है.दरअसल, बावड़ी का मतलब सीढ़ीदार कुआं होता है.'रानी की बावड़ी' का इतिहास 900 साल से भी ज्यादा पुराना है.अब इस बावड़ी को देखने के लिए हजारों पर्यटक हर साल यहां पहुंचते हैं.साल 2014 में यूनेस्को ने इसे विश्व विरासत स्थल घोषित किया था.
ये बावड़ी गुजरात के पाटण में स्थित है जिसे रानी की वाव भी कहा जाता है.
कहते हैं कि रानी की वाव यानी बावड़ी का निर्माण 1063 ईस्वी में सोलंकी राजवंश के राजा भीमदेव प्रथम की स्मृति में उनकी पत्नी रानी उदयामति ने करवाया था.रानी उदयमति जूनागढ़ के चूड़ासमा शासक रा खेंगार की पुत्री थीं.
रानी की वाव 64 मीटर लंबी, 20 मीटर चौड़ी और 27 मीटर गहरी है.यह भारत में अपनी तरह का सबसे अनोखी वाव है.
इसकी दीवारों और स्तंभों पर बहुत सी कलाकृतियां और मूर्तियों की शानदार नक्काशी की गई है.इनमें से अधिकांश नक्काशियां भगवान राम, वामन, नरसिम्हा, महिषासुरमर्दिनी, कल्कि आदि जैसे अवतारों के विभिन्न रूपों में भगवान विष्णु को समर्पित हैं.ये बावड़ी सात मंजिला है जो मारू-गुर्जर वास्तु शैली का साक्ष्य है.यह करीब सात शताब्दी तक सरस्वती नदी के लापता होने के बाद गाद में दबी हुई थी. नन्हे गजराज को पकड़ने के लिए गन्ने का लालच दे रहा था युवक, वीडियो में देखें जब बच्चे को आया गुस्सा तो हुआ क्या
इसे भारतीय पुरातत्व विभाग ने फिर से खोजा और साफ-सफाई करवाई.उसके बाद यहां पर्यटकों का आना जाना शुरु हो गया.कहते हैं कि इस विश्वप्रसिद्ध सीढ़ीनुमा बावड़ी के नीचे एक छोटा सा गेट भी है, जिसके अंदर करीब 30 किलोमीटर लंबी सुरंग बनी हुई है.यह सुरंग पाटण के सिद्धपुर में जाकर खुलती है.ऐसा माना जाता है कि पहले इस खुफिया सुरंग का इस्तेमाल राजा और उसका परिवार युद्ध या फिर किसी कठिन परिस्थिति में करते थे. लेकिन अब ये सुरंग पत्थरों और कीचड़ों की वजह से बंद हो गई है.

रहस्यमयी पेड़, छूते ही करता है इंसानों जैसी हरकत, गुदगुदी करने पर हंसता है

दरअसल, कालाढूंगी के जंगलों में एक ऐसा पेड़ है जो बिल्कुल इंसानों की तरह ही हरकते करता है। इस पेड़ को इंसानों की तरह गुदगुदी होती है। जब कोई इस पेड़ को हाथ लगता है तो उस पेड़ को गुदगुदी शुरू हो जाती है। उसकी टहनियां और पत्तियां हंसने लगती है। इस पेड़ के तने में अगर अंगुलियां रगड़ी जाएं तो इसकी शाखाएं हिलने लगती है। इसी वजह से इस पेड को हंसने वाला पेड़ भी कहा जाता है। दूर दूर से लोग इस जंगल में इस पेड़ को देखने आते हैं। इस हंसने वाले पेड़ का वानस्पतिक नाम 'रेंडिया डूमिटोरम' है। इस पेड़ को हाथ लगाने पर इसे गुदगुदी क्यों होती है, इस पर कई शोध किए जा रहे हैं। इस पेड़ की गुदगुदी को देखने के लिए पर्यटक दूर दूर से आते हैं। कई लोगों खुद इस पेड़ को गुदगुदी करते हैं लोगों ने पाया कि इस पेड़ के सारे तने जोर जोर से हिलने लगते हैं। यही वजह है कि लोग इस पेड़ को देखने जंगल की गहराइयों तक पहुंचे जाते हैं।

ऐसा माना जाता है कि इंसानों की तरह पेड़-पौधों में भी जीवन होता है। भारत में कई पेड़-पोधों की पूजा भी की जाती है और उन्हें ईश्वर को दर्जा दिया जाता है। वहीं हमारे देश के जंगलों में कई रहस्य भी भरे पड़े हैं। उत्तराखंड के नैनीताल में के एक जंगल में भी एक ऐसा ही रहस्य छिपा हुआ है, जो वाकई अपने आप में हैरान करने वाला है। ये रहस्य है एक पेड़ का जो इंसानों जैसी हरकत करता है। लेकिन इसके लिए आपके इंसानों की तरह ही इसके साथ गुदगुदी करनी होगी।

यह है डॉल हॉस्पिटल!

बड़े चाव से तुमने कोई डॉल खरीदी और उसमें कुछ समय बाद ही टूट-फूट हो जाए तो तुम्हारा दिल भी टूट जाता है लेकिन यह जानकर तुम्हें खुशी भी होगी कि सिडनी में 101 साल पुराना एक ऐसा हॉस्पिटल है, जो सिर्फ डॉल्स के इलाज के लिए है। 1913 में हैरॉल्ड चैपमैन ने अपने जनरल स्टोर के साथ ही एक डॉल हॉस्पिटल भी खोला था। उस समय हैरॉल्ड के भाई सेल्युलॉयड डॉल्स जापान से इम्पोर्ट करने का काम करते थे। डॉल्स को लाने के दौरान कई बार उनमें टूट-फूट हो जाया करती थी और उसे देखकर ही हैरॉल्ड को उन्हें रिपेयर करने का आइडिया आया।
जब लोगों को पता चला कि हैरॉल्ड डॉल्स को रिपेयर करने का काम करते हैं तो वो लोग अपनी टूटी डॉल, सॉफ्ट एनिमल टॉय लेकर पहुंचने लगे और इस तरह डॉल हॉस्पिटल का जन्म हुआ। अब इस डॉल हॉस्पिटल को देखने का काम हैरॉल्ड के पोते करते हैं। अपने दादाजी और पिताजी के पैशन को आगे बढ़ाते हुए ज्योफ चैपमैन उसी लगन से काम कर रहे हैं। सबसे अच्छी बात यह है कि जेनरेशन के साथ-साथ डॉल हॉस्पिटल और भी एडवांस हो गया है।
इस हॉस्पिटल में आने वाली डॉल्स की रेंज काफी बड़ी है जिसमें मॉडर्न डॉल से लेकर एंटीक डॉल्स भी रिपेयर होने के लिए आती हैं। यहां तक कि सूटकेस, हैंडबैग, छाते जैसी चीजों को भी लोग रिपेयर करवाने पहुंचते हैं। अभी तक इस हॉस्पिटल में 30 लाख डॉल्स बीमार होकर आईं और ठीक होकर गई हैं। ब ड़े चाव से तुमने कोई डॉल खरीदी और उसमें कुछ समय बाद ही टूट-फूट हो जाए तो तुम्हारा दिल भी टूट जाता है लेकिन यह जानकर तुम्हें खुशी भी होगी कि सिडनी में 101 साल पुराना एक ऐसा हॉस्पिटल है, जो सिर्फ डॉल्स के इलाज के लिए है।

असली अस्पतालों जैसा

यह डॉल हॉस्पिटल सामान्य हॉस्पिटल की तरह ही रियल दिखता है। इसमें डॉल को रिपेयर करने का काम उसकी जरूरत और उस समय जो स्पेशलिस्ट मौजूद होता है उसके अनुसार किया जाता है। यहां 12 लोगों का स्टाफ है और हरेक डॉक्टर के पास अलग-अलग स्पेशलाइजेशन है।

समाधान

कुछ ही दिनों में राजा विक्रमसिंह ने न केवल संपूर्ण राज्य में अनेक कल्याणकारी योजनाएं आरंभ करवा दीं, बल्कि उनके समुचित रूप से क्रियान्वित होने का भी ध्यान रखा जिससे संपूर्ण राज्य की प्रजा में खुशहाली छा गई।

राजा विक्रमसिंह अत्यंत चिंतित थे, कुछ ही दिनों पूर्व राज्य के एक हिस्सें में उनके खिलाफ विद्रोह करने का प्रयत्न किया गया था, जिसे राजा विक्रमसिंह ने वक्त रहते अपनी सूझबूझ तथा सेना के द्वारा नियंत्रण में कर लिया था। लेकिन इस विद्रोह ने उन्हें प्रजा में अपने प्रति बढ़ते आक्रोश का संकेत दे दिया था और यही राजा विक्रमसिंह की चिंता का मुख्य कारण था।
मंत्रीगण आप सभी का विचार है, प्रजा पुनः विद्रोह न करे इसके लिए हमें क्या करना चाहिए। राजा विक्रमसिंह ने मंत्रियों तथा सेनापति से पूछा।
महाराज, मेरा विचार है कि जिस स्थान पर आपके विरुद्ध विद्रोह हुआ है वहां के समस्त नागरिकों को राज्य से निकाल देना चाहिए। एक मंत्री ने कहा।
महाराज, मेरे विचार में हमें उस स्थान पर अत्यधिक संख्या में सेना नियुक्त कर देनी चाहिए जिससे दोबारा ऐसी स्थिति उत्पन्न होने पर वो तत्काल कार्यवाही कर सके और विद्रोह को उग्र रूप लने से पूर्व ही समाप्त किया जा सके। सेनापति ने सुझाव प्रस्तुत किया।
महाराज, हम भी सेनापति जी के सुझाव से सहमत हैं। कुछ मंत्रियों ने सेनापति के प्रस्ताव का समर्थन करते हुए कहा।
सेनापति जी आपके द्वारा दिया गया सुझाव निश्चित रूप से विचार योग्य है, किंतु यह भी इस समस्या का स्थायी समाधान नहीं है। ऐसा करने से उस क्षेत्र की प्रजा में यह गलत संदेश जाएगा कि हम उन पर अविश्वास करते हैं। इससे भी वहां के नागरिकों में रोष बढ़ेगा। राजा विक्रमसिंह ने कहा तो दरबार में सन्नाटा छा गया।
तत्पश्चात इस संबंध में अलग-अलग सुझाव प्रस्तुत करने लगे किंतु राजा विक्रमसिंह को कोई भी सुझाव उचित नहीं लगा।
महामंत्री जी, सभा में उपस्थित सभी मंत्रियों ने हमारे समक्ष अपने-अपने सुझाव प्रस्तुत किए, किंतु आपने अभी तक हमें अपनी राय से अवगत नहीं कराया। हम जानना चाहते हैं कि आपकी राय में इस समस्या का क्या समाधान है।-राजा विक्रमसिंह ने महामंत्री ज्ञानसेन से पूछा।महाराज, यह अत्यंत गंभीर विषय है। अतः इस बारे में विचार करने हेतु मुझे कुछ समय की आवश्यकता है। महामंत्री ज्ञानसेन ने गंभीर स्वर में कहा।
ठीक है, महामंत्री जी। हम आपको इस विषय पर विचार करने हेतु तीन दिन का समय देते हैं। हमें पूर्ण विश्वास है कि आप इस समस्या का कोई उचित समाधान तलाश कर सकेंगे। राजा विक्रमसिंह ने कहा और सभा समाप्त हो गई।
उसी शाम राजा विक्रमसिंह, महामंत्री ज्ञानसेन के साथ शाही उद्यान में घूम रहे थे। चलते-चलते उनकी निगाह उद्यान में लगे कुछ पौधों पर पड़ी। इन पौधों के कारण पूरे उद्यान का सौंदर्य नष्ट हो रहा है! राजा विक्रमसिंह बोले तो उन्होंने एक सेवक को उन पौधों को उखाड़ने का आदेश दिया।
राजा विक्रमसिंह का आदेश पाकर सेवक उन पौधों को उखाड़ने लगा। कुछ पौधों को तो सेवक ने बेहद सरलतापूर्वक उखाड़ दिया, किंतु अन्य पौधों को उखाड़ने में उसे अत्यधिक परिश्रम करना पड़ा।
महाराज, मुझे आपकी समस्या का समाधान प्राप्त हो गया। एकाएक महामंत्री ज्ञानसेन ने कहा।
कैसा समाधान मंत्री जी?
महाराज, इन पौधों को देखिए। इनमें से कुछ पौधे तो सरलतापूर्वक भूमि से अलग हो गए, लेकिन कुछ को उखाड़ने में बहुत मुश्किल हुई। ऐसा इसलिए, क्योंकि इन पौधों की जड़ें भूमि में अन्य पौधों की अपेक्षा अधिक गहरी तथा मजबूती से जुड़ी हुई थीं।
महामंत्री जी हम आपके कथन का अर्थ नहीं समझे?
महाराज, जिस प्रकार इन पौधों की जड़ें भूमि में गहराई तक जुड़ी हुई हैं इसलिए इन्हें भूमि से अलग करना कठिन है। उसी प्रकार यदि आपकी लोकप्रियता रूपी जड़ें भी प्रजा में काफी गहराई तक समा जाएं तो फिर जो भी आपको प्रजा से अलग करने का अर्थात विद्रोह करवाने का प्रयास करेगी उसके लिए यह कार्य अत्यंत कठिन होगा। इसके लिए आपको प्रजा के हित में विभिन्न कल्याणकारी योजनाएं आरंभ करनी चाहिए।
किंतु समस्त प्रजा के लिए हमने तो पहले से ही अनेक कल्याणकारी योजनाएं आरंभ की हुई हैं!
महाराज, आपका कथन ठीक है। लेकिन उन योजनाओं का लाभ प्रजा को प्राप्त हो रहा है अथवा नहीं; आपके इस बात का भी ध्यान रखना चाहिए। राज्य में व्याप्त भ्रष्टाचार भी प्रजा में असंतोष का मुख्य कारण है।-महामंत्री ज्ञानसेन ने गंभीरतापूर्वक कहा।
राजा विक्रमसिंह ने ध्यानपूर्वक महामंत्री ज्ञानसेन की बातें सुनीं और फिर उस पर अमल करना आरंभ कर दिया। कुछ ही दिनों में राजा विक्रमसिंह ने न केवल संपूर्ण राज्य में अनेक कल्याणकारी योजनाएं आरंभ करवा दीं, बल्कि उनके समुचित रूप से क्रियान्वित होने का भी ध्यान रखा जिससे संपूर्ण राज्य की प्रजा में खुशहाली छा गई।
कुछ दिनों पश्चात राजा विक्रमसिंह को ज्ञात हुआ कि राज्य के एक हिस्से में पुनः विद्रोह करने का प्रयास किया गया है किंतु इस बार राजा विक्रमसिंह को कोई भी कार्यवाही करने की आवश्यकता नहीं पड़ी, क्योंकि प्रजा ने स्वयं बगावत के लिए उन्हें भड़काने वाले नागरिकों को पकड़कर राजा विक्रमसिंह के समक्ष प्रस्तुत कर दिया।
महाराज, यह सभी तो हमारे शत्रु राज्य ज्वालागढ़ के गुप्तचर हैं।सेनापति ने नागरिकों द्वारा पकड़कर दरबार में लाये गये व्यक्तियों को देखकर कहा।
महाराज, यही हमें आपके विरुद्ध भड़काते थे और विद्रोह करने के लिए प्रेरित करते थे। हमें बेहद अफसोस है कि इनकी बातों में आकर एक बार हमने विद्रोह करने का अपराध किया। उन गुप्तचरों को दरबार में उपस्तिथ करने वाले नागरिकों ने खेदपूर्वक कहा।
जो हुआ उसे भूल जाइए। हमें प्रसन्नता है कि इस बार आप सब शत्रु राज्य के गुप्तचरों के बहकावे में नहीं आए। हमें पर्ण विश्वास है कि भविष्य में भी आप सब शत्रु राज्यों के गुप्तचरों के बहकावे में आकर कोई भी ऐसा कार्य नहीं करेंगे जिससे राज्य का अहित हो।
जी महाराज। राजा विक्रमसिंह की बात सुनकर दरबार में उपस्थित नागरिकों ने कहा।
तत्पश्चात राजा विक्रमसिंह ने दरबार में उपस्थित सभी नागरिकों को पुरस्कृत करके दरबार से विदा किया और महामंत्री ज्ञानसेन को भी विशेष रूप से पुरस्कृत किया, जिनकी सलाह द्वारा एक विकट समस्या का समाधान हो गया था और राज्य में अमन तथा शांति स्थापित हुई थी।

22 साल बाद इंफोसिस को छोड़, टेक महिंद्रा को हुए मोहित जोशी

मुंबई । टेक कंपनी इंफोसिस के प्रेसिडेंट मोहित जोशी ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। 22 सालों तक वहां इंफोसिस के साथ जुड़ रहे। साल 2000 में वहां इंफोसिस से जुड़े थे। उन्होंने कंपनी के फाइनेंशियल सर्विसेज, हेल्थ केयर और लाइफ साइंसेस बिजनस सेगमेंट की अहम जिम्मेदारी संभाली। आईटी कंपनी से जुड़े रहने के बाद मोहित जोशी टेक महिंद्रा के साथ जुड़ने जा रहे हैं। मोहित जोशी को टेक महिंद्रा का एमडी और सीईओ नियुक्त किया गया है। 1 मार्च 2023 से ही मोहित छुट्टी पर चल रहे हैं। 9 जून 2023 को इंफोसिस बोर्ड में उनका आखिरी दिन होगा। टेक महिंद्रा की ओर से इसकी जानकारी दी गई है। टेक महिंद्रा ने एक्सचेंज को सूचित किया है कि मोहित 20 दिसंबर 2023 से टेक महिंद्रा कंपनी के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर के तौर पर शामिल होने वाले हैं। उनकी नियुक्ति 5 सालों के लिए की गई है। टेक महिंद्रा में उनकी नियुक्ति 20 दिसंबर 2023 से 19 दिसंबर 2028 तक के लिए की गई है। वहां यहां सीपी गुरनानी की जगह लेने वाले है। टेक महिंद्रा के साथ अपनी नई पारी की शुरुआत करने वाले मोहित जोशी ने दिल्ली यूनिवर्सिटी से एमबीए की डिग्री हासिल की है। उन्होंने दिल्ली के सेंट स्टीफन कॉलेज से बैचलर डिग्री हासिल की है। इसके अलावा उन्होंने हावर्ड कैंडी स्कूल से ग्लोबल लीडरशिप एंड पब्लिक पॉलिसी प्रोग्राम किया है।

भारी उतार-चढ़ाव के बीच इक्विटी म्युचुअल फंडों की ओर रहा ग्राहकों का रुझान

मुंबई । इक्विटी म्युचुअल फंडों ने शेयर बाजारों में भारी उतार-चढ़ाव के बीच फरवरी, 2023 में 15,685 करोड़ रुपए आकर्षित किए। यह नौ महीनों में सबसे अधिक शुद्ध निवेश रहा। इक्विटी म्युचुअल फंडों ने जनवरी, 2023 में 12,546 करोड़ रुपए और दिसंबर, 2022 में 7,303 करोड़ रुपए जुटाए थे। एसोसिएशन ऑफ म्युचुअल फंड्स इन इंडिया (एम्फी) के आंकड़ों के मुताबिक, फरवरी में इक्विटी आधारित म्युचुअल फंड योजनाओं में लगातार 24वें महीने शुद्ध आवक हुई। इक्विटी फंडों में बेहतर आवक से समर्थित, म्युचुअल फंड उद्योग ने पिछले महीने 9,575 करोड़ रुपए का शुद्ध निवेश हासिल किया। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक (एफपीआई) के निकासी से उत्पन्न शेयर बाजारों में अस्थिरता का मुकाबला करने के लिए निवेशकों को अनुशासित तरीके से निवेश जारी रखना चाहिए।

मारुति सुजुकी लांच करेंगी 2 नई फोर-व्हीलर

-लॉन्च से पहले ही 2 35,000 बुकिंग

नईदिल्ली । अगले महीने मारुति सुजुकी कंपनी 2 नई फोर-व्हीलर लॉन्च करने जा रही है। पहली एक ऑफ रोड एसयूवी मारुति जिम्मी है और दूसरी बिल्कुल नई कार फ्रोंक्स है। लॉन्च होने से पहले ही मारुति लवर इन दोनों कारों पर लट्टू हो गए हैं। कुछ ही दिनों में दोनों की बुकिंग 35,000 के पार पहुंच गई है। मारुति ने अब तक इनकी लॉन्चिंग डेट का खुलासा नहीं किया, लेकिन उम्मीद की जा रहा है कि अगले महीने यानी अप्रैल में लॉन्च किया जा सकता है।5 डोर जिम्मी को खरीदने के लिए महज 25,000 रुपये में बुक कर सकते हैंइसके लिए मारुति की वेबसाइट और मारुति डीलरशिप पर बुकिंग खुली हुई है।दूसरी तरफ फ्रोंक्स को सिर्फ 11,000 रुपये में बुक किया जा सकता है। एक मीडिया रिपोर्ट में मारुति ने खुद कन्फर्म किया है कि दोनों कारों के लिए अब तक करीब 35 हजार बुकिंग मिल चुकी हैं।जिम्नी को करीब 21,000 लोगों ने बुक किया है, वहीं फ्रोंक्स को 12,000 लोगों ने बुक किया है।जल्द ही दोनों की बुकिंग और बढ़ सकती है।दूसरी तरफ जिम्नी में 1.5 लीटर पेट्रोल इंजन होगा, जो 103 बीएचपी की पावर और 134 एनएम पीक टॉर्क विकसित करता है।बेहतर ऑफ-रोड के लिए आलग्रीप प्रो 4गुणा4 सिस्टम के साथ 5-स्पीड मैनुअल गियरबॉक्स और 4-स्पीड ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन शामिल होगा। सुजुकी फ्रोंक्स की कीमतें अगले महीने यानी अप्रैल में सामने आएंगी, जबकि जिम्नी 5-डोर इस साल मई में लॉन्च होने की संभावना है। लॉन्च होने पर फ्रोंक्स मारुति की सबसे सस्ती सब-कॉम्पैक्ट एसयूवी होगी और इसकी कीमत 7.50 लाख रुपये होने की उम्मीद है, जबकि जिम्नी 5-डोर की कीमत 12 लाख रुपये, एक्स-शोरूम से शुरू होने की संभावना है।

पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बदलाव

- क्रूड का भाव 1.19 डॉलर बढ़कर 82.78 डॉलर प्रति बैरल

नई दिल्ली ।

वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमत में शनिवार को हल्की तेजी देखने को मिल रही है। डब्ल्यूटीआई क्रूड आज 0.96 डॉलर बढ़कर 76.68 डॉलर प्रति बैरल बिक रहा है। वहीं ब्रेंट क्रूड का भाव 1.19 डॉलर बढ़कर 82.78 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया है। देश में भी कई जगहों पर पेट्रोल की कीमतों में बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। हिमाचल प्रदेश में पेट्रोल की कीमत में 63 पैसे की गिरावट है और ये 95.07 रुपए प्रति लीटर के भाव पर बिक रहा है। डीजल भी यहां 57 पैसे सस्ता हुआ है और इसकी कीमत 84.38 रुपए प्रति लीटर हो गई है। हिमाचल के अलावा हरियाणा, झारखंड, कर्नाटक और तेलंगाना समेत कुछ अन्य राज्यों में भी पेट्रोल-डीजल के दाम गिरे हैं। दूसरी ओर पंजाब में पेट्रोल 47 पैसे महंगा होकर 97.81 रुपए प्रति लीटर और डीजल 45 पैसे बढ़कर 88.15 रुपए प्रति लीटर पर बिक रहा है। इसी तरह पश्चिम बंगाल, राजस्थान, तमिलनाडु व महाराष्ट्र समेत कुछ अन्य राज्यों में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में इजाफा आया है। देश के चारों महानगरों में ईंधन की कीमतें जस की तस हैं। दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपए और डीजल 89.62 रुपए प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए और डीजल 94.27 रुपए प्रति

लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपए और डीजल 92.76 रुपए प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपए और डीजल 94.24 रुपए प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 96.65 रुपए और डीजल 89.82 रुपए प्रति लीटर हो गया है। गाजियाबाद में 96.58 रुपए और डीजल 89.75 रुपए प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 96.62 रुपए और डीजल 89.81 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 107.30 रुपए और डीजल 94.09 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पोर्टब्लेयर में पेट्रोल 84.10 रुपए और डीजल 79.74 रुपए प्रति लीटर हो गया है।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 1.5 अरब डॉलर बढ़ा

मुंबई । पिछले चार हफ्ते से देश के विदेशी मुद्रा भंडार में हो रही कमी का सिलसिला शुक्रवार को टूट गया। शुक्रवार को जैसे ही रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के सांख्यिकी विभाग ने आंकड़े जारी किए वैसे ही पिछले लंबे समय से चला आ रहा गिरावट का दौर खत्म हो गया। रिजर्व बैंक के अनुसार भारत का विदेशी मुद्रा भंडार पांच सप्ताह में पहली बार बढ़ा है और 3 मार्च को समाप्त सप्ताह के अंत में ये 562.40 अरब डॉलर रहा।रिजर्व बैंक के आंकड़ों से पता चलता है कि पिछले सप्ताह के अंत में भंडार में 1.46 अरब डॉलर की वृद्धि हुई थी। इससे पहले पिछले चार हफ्तों में कुल 15.8 अरब डॉलर की गिरावट के बाद 24 फरवरी को समाप्त सप्ताह में भंडार में 560.94 अरब डॉलर था। इससे पहले 10 फरवरी को जो सप्ताह खत्म हुआ था उसमें विदेशी मुद्रा भंडार 566.94 अरब डॉलर रहा था। वहीं 3 फरवरी को खत्म हुए सप्ताह में 575.27 अरब डॉलर रहा था। उस हफ्ते विदेशी मुद्रा भंडार में 1.49 अरब डॉलर की गिरावट देखने को मिली थी। इतनी लंबी गिरावट के बाद पहली बार बढ़ोतरी देखने को मिली है।

अर्थव्यवस्था को कैसे खराब करते हैं नकली नोट?

नई दिल्ली। जाली भारतीय नोटों को एफआईसीएन या फेक इंडियन करेंसी नोट्स कहा जाता है। सबसे अधिक एफआईसीएन की प्रिंटिंग पाकिस्तान में की जाती है। इसे फिर सीधे भारत-पाकिस्तान सीमा से या अन्य पड़ोसी मुल्कों के रास्ते भारत में भेजा जाता है। जानकारों के अनुसार बांग्लादेश और नेपाल के रास्ते बड़ी मात्रा में फर्जी करेंसी नोट भारत पहुंचते हैं। फर्जी नोट का सीधा और दोगुना फायदा आतंकी संगठनों को पहुंचता है। आरबीआई बाजार में मुद्रा प्रवाह का संतुलन बनाए रखने के लिए एक तय सीमा में ही नोटों की छपाई करता है। सीमा से अधिक नोट बाजार में उतर जाने से लोगों के हाथ में पैसा ज्यादा आ जाता है। इससे वस्तुओं और सेवाओं की अप्रत्याशित तरीके से मांग बढ़ती है। इसका फिर उल्टा असर शुरू होता है। मांग अचानक बढ़ने और आपूर्ति पहले जितनी ही रहने से बाजार में सामान की कमी होने लगती है और जो थोड़ा-बहुत सामान मौजूद है उसकी कीमत आसमान छूने लगती है। यहां फिर पैसे की कीमत तेजी से गिरने लगती है और अर्थव्यवस्था तहस-नहस हो जाती है। इससे आतंकी संगठनों के लिए अनुकूल परिस्थितियां बनती हैं। फर्जी नोटों के जरिए ही आंतकी संगठनों को पैसे दिए जाते हैं। इन्हीं पैसों का इस्तेमाल कर असली करेंसी खरीदते हैं या फिर फर्जी करेंसी से ही अपनी जरूरत के सामानों की खरीदारी करते हैं। फिर उनका इस्तेमाल भारत विरोधी गतिविधियों में किया जाता है। फर्जी करेंसी को आर्थिक आतंकवाद के रूप में देखा जाता है।

अदानी ग्रुप अंबुजा सीमेंट्स लिमिटेड में अपनी 4 से 5 फीसदी बेच सकता है हिस्सेदारी

कर्ज चुकाने व निवेशकों का भरोसा बहाल करने की कवायद

नई दिल्ली ।

कर्ज चुकाने के लिए अदानी ग्रुप बड़ा फैसला ले सकता है। खबर है कि कर्ज को कम करने के लिए अदानी ग्रुप अंबुजा सीमेंट्स लिमिटेड में अपनी 4 से 5 फीसदी हिस्सेदारी बेच सकता है। हिस्सेदारी की कीमत 450 मिलियन डॉलर (3680 करोड़ रुपये) बताई जा रही है। अमेरिकी रिसर्च फर्म हिंडेनबर्ग की रिपोर्ट के बाद अदानी ग्रुप को भारी नुकसान झेलना पड़ा है। समूह लगातार अपने निवेशकों के भरोसे को बहाल करने के लिए कदम उठा रहा है।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार अदानी ग्रुप ने अंबुजा सीमेंट्स में 4 से 5 फीसदी की हिस्सेदारी बेचने के लिए इंटरनेशनल कर्जदाताओं से अनुरोध किया है। हालांकि, अदानी ग्रुप की तरफ से इसको लेकर आधिकारिक रूप से किसी भी तरह का बयान फिलहाल नहीं जारी किया गया है। अंबुजा सीमेंट्स में अडानी ग्रुप की 63 फीसदी हिस्सेदारी है। समूह ने पिछले साल ही 10.5 अरब डॉलर की डील में इस सीमेंट कंपनी का अधिग्रहण किया था। अगर ये डील आगे बढ़ती है, तो संकट के दौर से गुजर रहे अदानी समूह की ये पहली संपत्ति बिक्री होगी। अदानी ग्रुप लगातार अपने कर्ज को कम करने की कोशिश में जुटा हुआ है। इस हफ्ते की शुरुआत में ब्लूमबर्ग ने बताया कि अडानी समूह ने 9 मार्च को 500 मिलियन डॉलर का ब्रिज लोन चुका दिया है।

रिपोर्ट्स के अनुसार इस कर्ज को अडानी ग्रुप ने एसीसी लिमिटेड और अंबुजा सीमेंट्स लिमिटेड में हिस्सेदारी खरीदने के लिए लिया था। अदानी ग्रुप के शेयर 1.74 फीसदी की गिरावट के साथ शुक्रवार को 378.00 पर बंद हुए। बीते दिन ये स्टॉक 380.00 रुपये पर ओपन हुआ और 382.35 रुपये के इंट्राडे हाई पर पहुंचा और इसका लो 373.40 रुपये रहा. इस स्टॉक का 52 वीक का हाई 598.00 रुपये है और लो लेवल 288.50 रुपये है। हिंडेनबर्ग की रिपोर्ट के बाद ये स्टॉत भी टूटा था, लेकिन इसने रिकवरी की है। हिंडेनबर्ग ने 24 जनवरी को पब्लिश अपनी रिपोर्ट में अदानी समूह पर शेल फर्मों के माध्यम से स्टॉक हेरफेर और धोखाधड़ी का आरोप लगाया था. 24 जनवरी को प्रकाशित रिपोर्ट ने अदानी के शेयरों में भारी उथल-पुथल मचा दी. इस वजह ग्रुप की कंपनियों के मार्केट कैपिटलाइजेशन में लगभग 60 से 70 प्रतिशत की गिरावट आ गई थी। मुश्किल दौर से गुजर रहे अदानी ग्रुप की कंपनियों में बुटीक इन्वेस्टमेंट फर्म जीक्यूजी पार्टनर्स ने बड़ा दांव लगाते हुए 15,446 करोड़ रुपये निवेश किया। इसके बाद अदानी ग्रुप के शेयरों ने जोरदार उड़ान भरी है।

शेयर बाजार साप्ताहिक समीक्षा) सेंसेक्स और निफ्टी एक फीसदी की गिरावट पर बंद

मुंबई ।

बीते सप्ताह शेयर बाजार की शुरुआत बढ़त के साथ हुई ले किन फेड रेट हाइक की चिंता से पिछले हफ्ते बाजार में दिखा दबाव देखा गया जिसके चलते बीते हफ्ते सेंसेक्स और निफ्टी करीब एक फीसदी से ज्यादा की गिरावट के साथ हुए। पिछले सप्ताह मंगलवार को होली के पर्व के अवसर पर शेयर बाजार बंद रहा, जिसके कारण पांच कारोबारी दिनों में से बाजार में केवल चार दिन ही कारोबार हुआ। बीते सप्ताह शेयर बाजार में सोमवार और बुधवार को तेजी ले किन गुरुवार और शुक्रवार को गिरावट के साथ बंद हुए। बीते सप्ताह के चार कारोबारी दिनों पर नजर डालें तो वैश्विक बाजारों में मजबूती के बीच सोमवार को बीएसई सेंसेक्स ने 198 अंक चढ़कर 60,007 पर खुला और 415.49 अंकों की बढ़त के साथ 60,224.46 अंकों पर बंद हुआ। निफ्टी 86 अंकों की तेजी के साथ 17,680 पर खुला और 117.10 अंक उछलकर 17,711.45 अंकों पर बंद हुआ। मंगलवार शेयर बाजार होली पर बंद रहा। बुधवार को सेंसेक्स 59,926.91 अंकों के लेवल पर खुला और अंकों की तेजी रही है और यह 60,348.09 के लेवल पर बंद हुआ है। निफ्टी 103.95 अंकों की गिरावट के साथ 17,607.60 अंकों पर खुला और 43 अंक चढ़कर 17,754 के लेवल पर बंद हुआ। गुरुवार को सेंसेके स करीब 143 अंकों की गिरावट के साथ 60,204 के स्तर पर खुला और 542 अंकों की कमजोरी रही है और यह 59,806 पर बंद हुआ। निफ्टी 39 अंकों की नरमी के साथ 17,714 के स्तर पर

खुला और 165 अंक टूटकर 17,590 पर बंद हुआ है। शुक्रवार को सेंसेके स 546 अंकों के नुकसान के साथ 59,260 पर खुला और 671.15 अंक (1.12 फीसदी) की गिरावट के साथ 59,135.13 पर बंद हुआ। निफ्टी 146 अंक गिरकर 17,444 पर खुला और 176.70 अंक 1.03 फीसदी) की गिरावट के साथ 17,412.90 पर बंद हुआ।

डीजीसीए ने स्पाइसजेट के दो बोइंग विमानों का पंजीकरण रद्द किया

नई दिल्ली । नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने स्पाइसजेट के दो बोइंग 737-800 विमानों का पंजीकरण रद्द कर दिया है। इस बीच कंपनी ने कहा कि इन विमानों को सहमति के साथ लौटाया जा रहा है। स्पाइसजेट के एक प्रवक्ता ने कहा कि दो विमानों की वापसी से उसके परिचालन पर कोई असर नहीं पड़ेगा। नियामक की वेबसाइट पर जारी सूचना के अनुसार, डीजीसीए ने क्रमशः छह और नौ मार्च को वीटी-एसजेडके और वीटी-एसवायए को अपंजीकृत कर दिया। केप टाउन संधि के तहत पट्टेदार और ऋणदाता चूक होने की स्थिति में पट्टे पर लिए गए विमान का पंजीकरण रद्द करने की मांग कर सकते हैं। इस तरह के अनुरोध अपरिवर्तनीय विपंजीकरण और निर्यात अनुरोध प्राधिकरण (आईडीईआरए) के तहत किए जाते हैं। प्रवक्ता ने कहा कि एक विमान लंबी अवधि के लिए जमीन पर है और उसे पहले ही वापस किया जाना था। दूसरे विमान को इंजन में कुछ समस्या के कारण वापस किया जा रहा है। दोनों विमानों को सबसे कुशल तरीके से सहमति से वापस किया जा रहा है। इससे हमारे कामकाज पर कोई असर नहीं पड़ेगा। इस समय स्पाइसजेट के बेड़े में कितने विमान है, इसका पता नहीं चल सका है। गौरतलब है कि पिछले साल अगस्त में कंपनी के छह बोइंग-737 विमानों का पंजीकरण रद्द कर दिया गया था।

420 करोड़ की कर चोरी मामले में अनिल अंबानी को बॉम्बे हाईकोर्ट से राहत

मुंबई ।

देश के प्रमुख कारोबारी मुकेश अंबानी के भाई और रिलायंस अनिल धीरूभाई अंबानी ग्रुप के चेयरमैन अनिल अंबानी को बांबे हाईकोर्ट ने बड़ी राहत दी है। कालाधन कानून के तहत कथित कर चोरी से जुड़े एक मामले में हाईकोर्ट ने सुनवाई करते हुए आयकर विभाग को कई अहम निर्देश जारी किए हैं। इसमें सबसे बड़ी राहत पेनल्टी नोटिस पर आयकर विभाग को 17 मार्च तक कार्रवाई करने से रोकना है। अनिल अंबानी को कालाधन कानून-2015 के तहत कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था। इसे अनिल ने बांबे हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। इस पर न्यायमूर्ति जीएस पटेल और नीला गोखले की पीठ ने आदेश जारी किया। आयकर विभाग ने अनिल अंबानी को 420 करोड़ रुपए की कथित टैक्स चोरी के लिए कारण बताओ नोटिस जारी किया था। आयकर विभाग ने अंबानी को ये नोटिस 8 अगस्त 2022 को जारी किया था। नोटिस के मुताबिक अनिल अंबानी के पास स्विस बैंक खाते में 814 करोड़ रुपए से अधिक की अघोषित आय को छिपा कर रखा गया है। इस पर करीब 420 करोड़ रुपए का टैक्स बनता है। अनिल की ओर से वरिष्ठ वकील रफीक दादा ने दलील पेश की। उन्होंने कोर्ट को बताया कि कारण बताओ नोटिस के साथ ही आयकर विभाग ने पेनल्टी नोटिस भी जारी किया है। उन्होंने हाईकोर्ट में इसी नोटिस को चुनौती दी है। वहीं याचिका में

संशोधन की अनुमति भी मांगी। इस पर हाईकोर्ट ने याचिका में संशोधन की अनुमति दे दी है। साथ ही आयकर विभाग को 17 मार्च की अगली सुनवाई तक पेनल्टी नोटिस पर कोई कार्रवाई करने से रोक दिया है।

ओला, उबर ने महाराष्ट्र में एग्रीगेटर लाइसेंस के लिए आवेदन किया

मुंबई ।

केंद्र और महाराष्ट्र सरकार द्वारा लाए गए दिशानिर्देशों के तहत ऐप आधारित कैब सेवा मुहैया कराने वाली कंपनियों के लिए एग्रीगेटर लाइसेंस अनिवार्य हो गया है। सरकार फिलहाल इन सेवा प्रदाता कंपनियों द्वारा नियमों का उल्लंघन किए जाने पर प्रभावी रूप से कार्रवाई नहीं कर पाती है और एग्रीगेटर लाइसेंस लेने से हालात बदल सकते हैं। महाराष्ट्र में ऐप आधारित टैक्सी और ऑटो 2014 से संचालित हैं। अधिकारी ने बताया कि उच्चतम न्यायालय के निर्देश पर कार्रवाई करते हुए दोनों कंपनियों ने मुंबई के तारदेव आरटीओ में आवेदन किया है, जिसका अधिकार क्षेत्र लगभग पूरे शहर में है। तारदेव आरटीओ के क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी भारत कलास्कर ने बताया कि उन्हें तीन-चार दिन पहले ओला, उबर से आवेदन मिले हैं। उन्होंने बताया कि आवेदनों की जांच की जा रही है और इसके बाद लाइसेंस देने पर निर्णय लेने के लिए इन्हें मुंबई महानगर क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकरण (एमएमआरटीए) के पास भेजा जाएगा।

एफसीआई ने पांचवें नीलामी दौर में 5.39 लाख टन गेहूं बेचा

मुंबई ।

भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) ने ई-नीलामी के पांचवें दौर में आटा मिलों सहित अन्य थोक उपभोक्ताओं को 5.39 लाख टन गेहूं बेचा। खाद्य मंत्रालय के अनुसार गेहूं और गेहूं आटे की खुदरा कीमतों को कम करने के कदमों के तहत पिछले चार दौरों में लगभग 23.47 लाख टन गेहूं खुले बाजार बिक्री योजना (ओएमएसएस) के तहत थोक उपयोगकर्ताओं को बेचा गया था। अगली साप्ताहिक ई-नीलामी 15 मार्च को होगी। ई-नीलामी का पांचवां दौर नौ मार्च को आयोजित किया गया था और एफसीआई के 23 क्षेत्रों में स्थित 657 डिपो से लगभग 11.88 लाख टन गेहूं बिक्री के लिए रखा गया था। मंत्रालय ने कहा कि 1,248 बोलीदाताओं को करीब 5.39 लाख टन गेहूं बेचा गया है। औसत आरक्षित मूल्य 2,140.29 रुपए प्रति क्विंटल के मुकाबले भारित औसत बिक्री मूल्य 2,197.91 रुपए प्रति क्विंटल था। बयान में कहा गया है कि बोली की अधिकतम संख्या 100 से 499 टन तक की मात्रा के लिए थी, इसके बाद 500-999 टन और 50-100 टन के लिए लगाई गई थी।

मंत्रालय के अनुसार नीलामी के दौरान कुल कीमत बताती है कि बाजार नरम हो चला है और कीमतें औसतन 2,200 रुपए प्रति क्विंटल से नीचे चल रही हैं। नीलामी के चार दौर में बिके करीब 23.47 लाख टन गेहूं में से 19.51 लाख टन का उठाव खरीदारों ने कर लिया है। पहली नीलामी के बाद ओएमएसएस के तहत गेहूं की संचयी बिक्री 45 लाख टन के कुल आवंटन के मुकाबले 28.86 लाख टन तक पहुंच गई।

दिवालिया हुआ अमेरिका का सिलिकॉन वैली बैंक

बैंक की वित्तीय हालत को देखते हुए इसे बंद करने का फैसला लिया गया

नई दिल्ली । अमेरिका का बड़ा बैंक सिलिकॉन वैली दिवालिया हो गया है। सिलिकॉन वैली बैंक को इसके नियामक ने बंद कर दिया है। बैंक के दिवालिया होने के बाद उसकी संपत्ति को सीज कर दिया गया है। फेडरल डिपाजिट इंश्योरेंस कॉरपोरेशन (एफडीआईसी) की ओर से इसकी जानकारी दी गई है। बैंक के बंद होने के बाद एक बार फिर से अमेरिका बैंकिंग संकट के मुहाने पर आ खड़ा हुआ है। अमेरिका पर एक बार फिर से बैंक गंभीर वित्तीय संकट में घिर गया है। अमेरिका के इस बैंक के बंद होने की खबर का असर दुनियाभर के देशों पर देखा जा सकता है। इस खबर के आने के बाद बैंकिंग सेक्टर के बेंचमार्क स्टॉक इंडेक्स में अचानक 8.1 फीसदी गिरावट आ गई। ये गिरावट पिछले तीन सालों में एक दिन में आई सबसे बड़ी गिरावट है। भारतीय शेयर बाजार पर भी इसका असर पड़ा है। शुक्रवार को भारतीय शेयर बाजार लाल निशान के साथ बंद हुआ है। अमेरिका के इस बैंक के बंद होने के बाद हर तरफ उथल-पुथल देखने को मिल रही है। बैंक क दिवालिया होने की खबर से दुनिया भर के बाजारों में अगले कुछ दिनों तक नेगेटिव सेंटिमेंट बना रह सकता है। भारतीय बाजार भी इससे अछूता नहीं है। वहीं दुनियाभर पर एक बार फिर से मंदी का खतरा मंडराने लगा है। बैंक की वित्तीय हालत को देखते हुए इसे बंद करने का फैसला लिया गया। कैलिफोर्निया के डिपार्टमेंट ऑफ फाइनेंशियल प्रोटेक्शन और इनोवेशन ने इसे बंद करने का निर्देश दिया। वहीं सिलिकॉन वैली बैंक के ग्राहकों की जमापूंजी की सुरक्षा की जिम्मेदारी एफडीआईसी को सौंपी गई है।

गौरतलब है कि सिलिकॉन वैली बैंक अमेरिका का 16वां सबसे बड़ा बैंक है, जिसके पास 210 अरब डॉलर से अधिक का एसेट्स है। अमेरिका के कई शहरों में इसके ब्रांच फैले हैं। दरअसल ब्याज बढ़ने से बैंक के हालात बिगड़ते चले गए। सिलिकॉन वैली बैंक टेक कंपनियों और नए वेंचर्स को फाइनेंशियल सपोर्ट देता है। बैंक का करीब 44 फीसदी कारोबार टेक और हेल्थकेयर कंपनियों के साथ है। अमेरिकी फेडरल रिजर्व की ओर से ब्याज दरों में लगातार हो रही बढोतरी के चलते इन सेक्टर्स पर बुरा असर पड़ा है।

भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया चौथा और अंतिम टेस्ट मैच

शुभमन के शतक से भारतीय टीम ने बनाये तीन विकेट पर 289 रन

-शुभमन ने लगाया अपना दूसरा टेस्ट शतक

अहमदाबाद (एजेंसी)। सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल के शानदार शतक 128 और अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली की अर्धशतकीय पारी की सहायता से भारतीय टीम ने अंतिम क्रिकेट टेस्ट मैच के तीसरे दिन अपनी पहली पहली पारी में तीन विकेट के नुकसान पर 289 रन बना लिए थे। इस प्रकार पहली पारी के आधार पर भारतीय टीम अब भी 191 रनों से पीछे है। इससे पहले मेहमान ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम ने अपनी पहली पारी में 480 रन बनाये थे। आज सुबह भारतीय टीम ने दूसरे दिन के 36 रनों से आगे खेलना शुरु किया। कप्तान रोहित शर्मा 35 रन बनाकर पेवेलियन लौट गये। भारतीय टीम ने लंच तक अपनी पहली पारी में एक विकेट पर 129 रन बना लिए थे। भारतीय टीम का पहला विकेट 74 के स्कोर पर गिरा जब कप्तान रोहित शर्मा कुहनमेन की गेंद पर कैच हुए। वहीं शुभमन गिल ने चेतेश्वर पुजारा के साथ मिलकर शानदार अर्धशतक लगाया। जिस प्रकार से यह मैच आगे बढ़ रहा है उससे इसके ड्रॉ होने की संभावनाएं बढ़ रही है। दिन का खेल समाप्त होने के समय विराट कोहली 59 और रविंद्र जडेजा 16 रन बनाकर खेल रहे थे।

आज के खेल का आकर्षण सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल की शानदार पारी रही। शुभमन ने जमकर बल्लेबाजी करते हुए शतक जमाया। सभी प्रारूपों में बेहतरीन फॉर्म में चल रहे इस युवा बल्लेबाज ने अपने अंतिम ग्यारह में चयन को सही साबित किया है। शुभमन ने 12 चौके और एक छक्का लगाकर 128 रन बनाए। यह उनका टेस्ट क्रिकेट में दूसरा शतक है, उन्होंने रोहित के साथ पहले विकेट के लिए 74 और चेतेश्वर पुजारा के साथ दूसरे विकेट के लिए 113 रन की साझेदारी की।

शुभमन को ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों को खेलने में किसी तरह की परेशानी नहीं हुई। वह अपने ही अंदाज में खेलते रहे। उन्होंने पहले नाथन लियोन पर शानदार चौका लगाया और फिर स्कूप शॉट खेलकर अपना शतक पूरा किया।

भारत ने पहले सत्र में रोहित का विकेट खोया उन्हें बाएं हाथ के स्पिनर मैथ्यू कुहेनमन ने आउट किया। रोहित अच्छी लया में बल्लेबाजी कर रहे थे और उन्होंने मिशेल स्टार्क पर पुल करके छक्का भी लगाया था। वहीं पुजारा भी बड़ी पारी खेलने की स्थिति में दिख रहे थे पर चाय के विश्राम से ठीक पहले टॉड मरफी ने उन्हें पगबाधा आउट करके ऑस्ट्रेलिया को दूसरी सफलता दिलाई। वहीं इससे पहले सलामी बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा और कैमरुन ग्रीन के शतकों की सहायता से ऑस्ट्रेलियाई टीम ने एक विशाल स्कोर बनाया।

लीजेंड्स लीग क्रिकेट 2023 : एशिया लायंस ने इंडिया महाराजा को हराया

दोहा (एजेंसी)। शाहिद अफरीदी की कप्तानी वाली एशिया लायंस ने लीजेंड्स लीग क्रिकेट 2023 के पहले ही मुकाबले में गौतम गंभीर की इंडिया महाराजा को 9 रनों से हरा दिया। इस मैच में टॉस जीतने जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए एशिया लायंस ने मिसबाह उल हक के 73 और उपुल थरंगा के 40 रन की सहायता से 165 रन बनाए। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए इंडिया महाराज की टीम 156 रन ही बना पाई। टीम की ओर से केवल गंभीर ही अर्धशतक लगा पाये जबकि अन्य खिलाड़ी नाकाम रहे। इससे पहले एशिया लायंस ने पारी की शुरुआत करते हुए 3 ओवरों में ही तिलकरत्ने दिलशान और असगर अफगान के विकेट गंवा दिये। इसके बाद उपल थरंगा और मिस्बाह ने 100 से ज्यादा रन की साझेदारी कर पारी को संभाला। थरंगा 40 रन बनाकर पेवेलियन लौटे। इसके बाद मिसबाह ने शाहिद अफरीदी 12 के साथ पारी को संभाला। अंतिम ओवरों में परेरा और रज्जाक ने टीम को 165 तक पहुंचा दिया। इंडिया महाराजा की ओर से परविंदर अवाना और स्टुअर्ट बिन्नी ने 2-2 विकेट लिए जबकि इरफान पठान, अशोक डिंडा को 1-1 विकेट मिला। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करने उतरी इंडिया महाराज के सलामी बल्लेबाज रॉबिन उथप्पा शुरुआत में ही आउट हो गये। इसके बाद गंभीर और मुरली विजय ने पारी को संभाला। मुरली 25, सुरेश रैना 3, मोहम्मद कैफ 22 रन और गंभीर 52 रन बनाकर आउट हुए। यूसुफ पठान भी 14 रन ही बना पाये। गंभीर के आउट होने के बाद टीम की जीत की उम्मीदें भी समाप्त हो गयीं।

फेंचाइजी और टेस्ट क्रिकेट के बीच सही संतुलन बनाना होगा : गांगुली

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने कहा है कि फेंचाइजी क्रिकेट और टेस्ट क्रिकेट के बीच सही संतुलन बनाने की जरुरत है। गांगुली ने कहा है कि टेस्ट क्रिकेट खेल का सबसे अहम रूप है और यह खेल में सर्वश्रेष्ठ प्रतिभाओं की पहचान करने में भी सहायक होता है। गांगुली का यह बयान इसलिए अहम है क्योंकि एमसीसी ने हाल ही में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की रक्षा के लिए तत्काल हस्तक्षेप की मांग करते हुए एक बैठक रखी थी। गांगुली ने कहा, मैं अब भी मानता हूं कि टेस्ट क्रिकेट खेल के लिए सबसे अहम मंच है। यही वह जगह है जहां आपको महान खिलाड़ी मिलते हैं, और इसीलिए इसे टेस्ट कहा जाता है। इसमें किसी खिलाड़ी के कौशल की सबसे बड़ी परीक्षा होती है। उन्होंने साथ ही कहा, टेस्ट क्रिकेट हमेशा शिखर पर बना रहना चाहिए और मुझे भरोसा है कि देश इसे महत्व देंगे और फेंचाइजी क्रिकेट और टेस्ट क्रिकेट के बीच सही संतुलन बनाएंगे। वहीं एमसीसी ने इस बैठक के बाद कहा था कि इसका उद्देश्य यह जांचना था कि फेंचाइजी लीग से भरे व्यस्त वैश्विक क्रिकेट के बीच अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को कैसे संरक्षित किया जा सकता है और हमने यह भी विचार किया कि अगले 10 साल में वैश्विक क्रिकेट कैसा दिखेगा।

डब्लयूटीसी फाइनल के लिए भारत की राह कठिन हुई

अहमदाबाद (एजेंसी)। भारतीय टीम की राह विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्लयूटीसी) के फाइनल में पहुंचने के लिए कठिन होती जा रही है क्योंकि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अंतिम टेस्ट ड्रॉ की ओर बढ़ रहा है। ऐसी हालत में भारतीय टीम को श्रीलंका-न्यूजीलैंड के बीच जारी टेस्ट सीरीज के परिणाम पर निर्भर रहना होगा। भारतीय टीम को यह दुआ करनी होगी कि न्यूजीलैंड की टीम श्रीलंका के खिलाफ कम से कम एक मैच में ड्रॉ या जीत हासिल कर ले। ऐसी स्थिति में भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच डब्लयूटीसी का फाइनल मुकाबला होगा।

जिस तरह से श्रीलंका ने न्यूजीलैंड के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज के पहले मुकाबले में प्रदर्शन किया है उससे भारतीय टीम की परेशानियां बढ़ सकती है। अगर श्रीलंकाई टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ पहला टेस्ट मैच जीत लेती है और भारत अहमदाबाद में जीत हासिल नहीं कर पाता है तो विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप की राह ओर मुश्किल हो जाएगी। इन हालातों में श्रीलंका और न्यूजीलैंड के बीच 17 मार्च से वेलिंगटन में होने वाले मैच की अहम भूमिका रहेगी। यदि उस मुकाबले में श्रीलंकाई टीम जीत हासिल नहीं कर पाती है तो भारतीय टीम फाइनल में पहुंच जाएगी।

ऑस्ट्रेलियाई टीम पहले ही फाइनल में पहुंच गयी है। डब्लयूटीसी अंक तालिका में ऑस्ट्रेलियाई टीम के अभी 68.52 प्रतिशत अंक है, वहीं भारतीय टीम 60.29 प्रतिशत अंकों के साथ फिलहाल तालिका में दूसरे स्थान पर है. इसके बाद श्रीलंका (53.33 प्रतिशत) और दक्षिण अफ्रीका का नंबर आता है। डब्लयूटीसी का फाइनल मुकाबला 7 जून से ओवल में खेला जाएगा।

एफआईएच प्रो लीग : सुखजीत के दो गोलों से भारत ने विश्व चैम्पियन जर्मनी को हराया

राउरकेला (एजेंसी)। भारतीय हॉकी टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए एफआईएच प्रो लीग मुकाबले में विश्व चैम्पियन जर्मनी को 3-2 से हरा दिया। भारतीय टीम की ओर सेस्ट्राइकर सुखजीत सिंह ने दूसरे हाफ में दो गोल दागकर अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। विश्व कप के मिली हार के बाद भारतीय टीम ने अपने इस पहले ही मुकाबले में विश्व चैम्पयन टीम को हराकर अपनी क्षमताएं साबित की हैं। 26 वर्षीय सुखजीत ने 31वें और 42वें मिनट में दो मैदानी गोल किये।

वहीं भारतीय टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने 30वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर पर एक गोल दागकर टीम को 1-0 की बढ़त दिलाई। इससे पहले भुवनेश्वर और यहां आयोजित हुए विश्व कप में हरमनप्रीत अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए थे। भारत ने खेल के 42वें मिनट तक 3-0 से बढ़त हासिल कर ली थी। इसके बाद जर्मनी की ओर से पॉल फिलिप कॉफमैन और माइकल स्टुर्थॉफ ने 44वें और 57वें मिनट में गोल कर वापसी का जबरदस्त प्रयास किया। जर्मनी के खिलाड़ी इस मैचमें पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलने में विफल रहे जो उनकी हार का कारण बना। जर्मनी को छह पेनल्टी कॉर्नर मिले जबकि भारतीय टीम को चार।।

जर्मन टीम को लगातार पांच पेनल्टी कॉर्नर मिले पर भारतीय रक्षापंक्ति ने अच्छा बचाव किया। दूसरे क्वार्टर के अंत में स्ट्राइकर अभिषेक के प्रयास से भारतीय टीम ने लय हासिल कर ली हालांकि स्ट्राइकर गुरजांत सिंह और दिलप्रीत सिंह के हमलों को जर्मनी के गोलकीपर एलेक्जैंडर स्टैडलर ने रोक दिया। हाफ टाइम से पहले भारतीय टीम को पहला पेनल्टी कॉर्नर मिला और हरमनप्रीत ने इसे गोल में बदलने में कोई गलती नहीं की।

इसके बाद जर्मनप्रीत के ही पास पर सुखजीत ने 31वें मिनट में भारतीय टीम की ओर से दूसरा गोल किया। फिर 11 मिनट बाद सुखजीत ने एक और गोल किया। मनप्रीत सिंह के दूर से दिए पास पर युवा खिलाड़ी एस कार्ति की सहायता से सुखजीत ने मैच में यह दूसरा गोल किया।

इसके बाद भारतीय टीम ने जर्मनी को कोई अवसर नहीं दिया। जर्मनी की ओर से तीसरे क्वार्टर के अंत में पॉल फिलिप ने गोल दाग कर अंतर कम किया। मैच के अंतिम क्षणों में भारतीय टीम की रक्षापंक्ति ने अच्छा प्रदर्शन कर जर्मनी पर अंकुश लगा दिया। मैच समाप्त होने से दो मिनट ही माइकल ने हानेस मुलर की सहायता से एक और गोल दागकर स्कोर 3-2 कर दिया। मैच के अंतिम क्षण में भारत को एक पेनल्टी स्ट्रोक पर हरमनप्रीत इसे गोल में बदलन में सफल नहीं रहे। इस मैच में जीत से भारतीय टीम को तीन अंक मिले हैं।

17,000 रन बनाने वाले छठे भारतीय बल्लेबाज बने रोहित

अहमदाबाद । भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चौथे टेस्ट मैच की पहली पारी में अपने 17,000 रन पूरे किये हैं। रोहित ने पहली पारी में 21 रन बनाते ही अपने 17,000 रन जरुर पूरे कर लिए। रोहित ये उपलब्धि हासिल करने वाले छठे भारतीय बल्लेबाज हैं। रोहित पहली पारी में 35 रन बनाकर आउट हुए। वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 17,000 से अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाजों की विशेष सूची में शामिल हो गये हैं। इसमें सचिन तेंदुलकर, विराट कोहली, राहुल द्रविड़, सौरव गांगुली और महेंद्र सिंह धोनी जैसे दिग्गज खिलाड़ी रहे हैं। रोहित ने जून 2007 में आयरलैंड के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया था। उन्होंने अब तक कुल 48 टेस्ट खेले हैं। वहीं 241 एकदिवसीय और 148 टी20 मैच भी उनके नाम हैं। वह वनडे में तीन दोहरे शतक लगाने वाले विश्व के एकमात्र बल्लेबाज हैं। रोहित 58 गेंदों में 35 रन बनाकर स्पिनर मैथ्यू कुह्नमैन का शिकार बने।

मिचेल, हेनरी की शानदार बल्लेबाजी से न्यूजीलैंड को मिली बढ़त

-श्रीलंका ने दूसरी पारी में 83 रनों पर ही तीन विकेट खोये

वेलिंगटन (एजेंसी)। क्राइस्टचर्च (ईएमएस)। डैरिल मिचेल के शानदार शतक 102 रन और मैट हेनरी की अर्धशतकीय पारी 72 रनों की सहायता से मेजबान टीम न्यूजीलैंड ने श्रीलंका के खिलाफ पहले टेस्ट के तीसरे दिन अपनी पहली पारी में 373 रन बनाकर अच्छी वापसी की है जबकि एक समय उसने 151 रनों पर ही पांच विकेट गंवा दिये थे। कीवी टीम के निचले क्रम के बल्लेबाजों ने अच्छी बल्लेबाजी करते हुए 222 रन बनाये और अपनी टीम को 18 रनों की बढ़त दिलायी। इससे पहले श्रीलंकाई टीम ने अपनी पहली पारी में 355 रन बनाये थे।

वहीं श्रीलंकाई टीम ने दिन का खेल समाप्त होने से पहले अपनी दूसरी पारी में 83 रनों पर ही तीन विकेट खो दिये। गंवा दिये हैं। कीवी टीम की इस मेजबान टीम की वापसी में मिचेल की अहम भूमिका रही। मिचेल ने माइकल ब्रेसवेल 25 और टिम साउदी 25 के साथ छठे और सातवें विकेट के लिये 37 और 47 रनों की साझेदारी बनायी। मिचेल का विकेट गिरने के बाद हेनरी ने पारी संभाली और 72 रन बनाकर अपनी टीम को बढ़त दिला दी। इसके अलावा नील वैगनर ने भी 24 गेंद पर 27 रन बनाये।

असिता फर्नांडो चार विकेट चटकाकर श्रीलंका के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज रहे, जबकि लाहिरू कुमारा ने तीन सफलताएं हासिल कीं। दूसरी ओर श्रीलंका के कसुन रजिता ने दो और प्रभात जयसूर्या ने एक विकेट लिया। वहीं इसके बाद साउदी और हेनरी ने दूसरी पारी मके शुरुआती ओवरों में कसी हुई गेंदबाजी कर श्रीलंकाई सलामी बल्लेबाजों पर दबाव बना दिया जिससे उन्हें रनों के लिए जूझना पड़ा। ब्लेयर टिकनर ने अपने पहले ओवर में ही डिमुथ करुणारत्ने और ओशाडा फर्नांडो को आउट कर दिया। कप्तान करुणारत्ने भी केवल 17 रन ही बना पाये जबकि फर्नांडो ने 28 रन बनाये।टिकनर ने अंतिम ओवरों में मेंडिस 14 को आउट कर दिया। स्टंप के समय मैथ्यूज 20 और प्रभात 02 रनों पर खेल रहे थे।

चार बार की ओलंपिक डाइविंग चैंपियन पैट मैककॉर्मिक का निधन

लॉस एंजिलिस। लगातार दो ओलंपिक में तीन मीटर और 10 मीटर की गोताखोरी (डाइविंग) स्पर्धाओं में स्वर्ण पदक जीतने वाली अपने जमाने की दिग्गज गोताखोर पैट मैककॉर्मिक का निधन हो गया है। वह 92 वर्ष की थी। उनके बेटे टिम मैककॉर्मिक ने बताया कि मंगलवार को सांता एना के ऑरेंज काउंटी शहर में नैसर्गिक कारणों से उनका निधन हो गया था। मैककॉर्मिक ने 1952 के हेलसिंकी ओलंपिक खेलों में गोताखोरी की स्प्रिंगबोर्ड और प्लेटफ़ॉर्म स्पर्धाओं में स्वर्ण पदक जीते थे। इसके बाद उन्होंने चार साल बाद मेलबर्न में यही उपलब्धि दोहराई थी। उनके बेटे टिम मैककॉर्मिक का जन्म मेलबर्न खेलों से केवल पांच महीने पहले हुआ था। ग्रेग लोगानिस ने 1984 के लॉस एंजिल्स ओलंपिक में और फिर 1988 में सियोल ओलंपिक में तीन मीटर और 10 मीटर के खिताब जीतकर मैककॉर्मिक की उपलब्धि की बराबरी की थी।

आईपीएल के अंतिम सत्र के लिए धोनी का इंतजार कर रहे होंगे प्रशंसक

सिडनी (एजेंसी)। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई सलामी बल्लेबाज मैथ्यू हेडन के अनुसार चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी का यह अंतिम सत्र होने के कारण प्रशंसकों के लिए बेहद अहम रहेगा। हेडन ने कहा, इस बार आईपीएल कोविड के बाद हर स्थान पर होने जा रहा है। ऐसे में प्रशंसक चेपॉक स्टेडियम में सीएसके का इंतजार कर रहे हैं। और वे वही टीम बनने जा रहे हैं जिसे घर में भी हराना बहुत मुश्किल होगा।उन्होंने कहा, चेपॉक में घर पर उनका रिकॉर्ड निश्चित रूप से आईपीएल में सबसे अच्छा है। वह स्थान एक किला है। और वे धोनी को अपने कप्तान के रूप में रखने जा रहे हैं। यह अंतिम बार और यह उन पलों में से एक होगा जो कोई भी कभी नहीं भूलने वाला है।

आईपीएल के 16वें संस्करण को लेकर हेडन ने इस पर भी अपने विचार व्यक्त किए कि कैसे चार बार की आईपीएल चैंपियन चेन्नई धोनी को अच्छी विदाई देने के बारे में सोच रही होगी। उन्होंने कहा, सीएसके को देखें, वे चीजों को अद्वितीय और विशेष करने के लिए अच्छे तरीके खोजते हैं। अपने आईपीएल से अपने अंतराल को हटा दें, यह दुर्भाग्यपूर्ण था कि दो साल वे नहीं खेल रहे थे और वे उसके बाद आईपीएल जीतने के लिए वापस आए, यह सबसे अप्रत्याशित था। और उनके पास एक रास्ता है।

नेमार के टखने की सर्जरी सफल रही, लिले ओएससी के खिलाफ मैच में लगी थी चोट

पैरिस । पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) फुटबॉल क्लब के ब्राजील फॉरवर्ड नेमार के दाहिने टखने की सर्जरी सफल रही है। पीएसजी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी है। लीग-1 के इस सीजन में 13 गोल और 11 असिस्ट कर चुके नेमार चोट के कारण पीएसजी के पिछले तीन मैचों से बाहर रहे हैं। बीते माह लिले ओएससी के खिलाफ मैच में नेमार के टखने में चोट लग गई थी और उन्हें मैदान से बाहर स्ट्रेचर पर ले जाया गया था। पिछले मैच में पीएसजी ने लिले एफसी को 4-3 से हराया था। पीएसजी ने अपने बयान में कहा, ''नेमार जूनियर का आज सुबह दोहा के असपेटर अस्पताल में सफल ऑपरेशन किया गया। अब नेमार आराम और उपचार के प्रोटोकॉल का पालन करेंगे। नेमार के मैदान पर लौटने के संबंध में क्लब ने कोई जानकारी नहीं दी। इससे पहले पीएसजी कह चुका है कि नेमार चोट के कारण पूरे सीजन में नहीं खेल सकेंगे।' पीएसजी फिलहाल लीग-1 की अंक तालिका में पहले स्थान पर है। उसका अगला मुकाबला आगामी शनिवार को 15वें स्थान पर मौजूद ब्रेस्ट से होगा।

डब्लयूपीएल 2023 में फिसड्डी टीम साबित हुई है सबसे महंगे प्लेयर की टीम आरसीबी, कप्तान स्मृति मंधाना का आया बयान

मुंबई (एजेंसी)। महिला प्रीमियर लीग में वर्तमान में सबसे खराब हालत रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर की टीम का है। आरसीबी की महिला टीम का इस टूर्नामेंट में कोई जादू नहीं चला है। महिला प्रीमियर लीग के आठवें मुकाबले में यूपी वॉरियर्स से भीड़ी रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर को करारी शिकस्त का सामना करना पड़ा। इस टूर्नामेंट की सबसे बड़ी हार यूपी वॉरियर्स से टीम को मिली है। यूपी की टीम ने बैंगलोर को 10 विकेट से मात दी है।

महिला प्रीमियर लीग के शुरुआती सीजन में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर की टीम सबसे फिसड्डी टीम साबित हुई है। इस लीग में आरसीबी के साथ स्मृति मंधाना, एलिसी पैरी जैसी स्टार खिलाड़ी टीम में शामिल है। मगर कोई भी स्टार खिलाड़ी मिलकर भी टीम की बदकिस्मती को बदलने में सफल नहीं हो सकी है। महिला प्रीमियर लीग में बैंगलोर की टीम अब तक दिल्ली कैपिटल्स, मुंबई इंडियंस, गुजरात जायंट्स और यूपी वॉरियर्स से मात खानी पड़ी है। चारों मुकाबलों में हारने के बाद कप्तान स्मृति मंधाना पर भी सवाल खड़े हो रहे है।

स्मृति ने दिया बयान

स्मृति मंधाना ने लगातार टूर्नामेंट में मिली हार के लिए खुद को जिम्मेदार माना है। उन्होंने मैच के बाद कहा कि टूर्नामेंट में टीम को अब तक हर मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा है, जिसके लिए वो ही जिम्मेदार है। उन्होंने कहा कि टीम के लिए बल्लेबाजी क्रम भी अच्छा प्रदर्शन करने में सफल नहीं हो सका है।

उन्होंने कहा कि बीते चार मुकाबलों में ये देखने में आया है कि हमारी शुरुआत अच्छी होती है मगर हम अचानक ही एक साथ कई विकेट से हाथ धो बैठते है। टीम को अब तक हर मुकाबले में असफलता मिली है, जिसके लिए मैं भी दूषी हूं। टॉप ऑर्डर के बल्लेबाजों के तौर पर भी हमें अधिक मेहनत करने की जरुरत है। विपक्षी टीम के गेंदबाजों से बचते हुए बोर्ड पर रन लाना बेहद जरूरी है।

उन्होंने बताया कि टीम की रणनीति थी की 7-15 ओवर के दौरान हमने 7-8 रन प्रति ओवर बनाने का निश्चय किया था। हालांकि इस रणनीति के तहत काम नहीं हो सका। हमारी कोशिश है कि हम संतुलित टीम बनें। सभी खिलाड़ियों से भी इस बारे में बात हुई है।'

अवनी महिला एमेच्योर एशिया पैसिफिक में संयुक्त 24वें स्थान पर

सिंगापुर- भारतीय गोल्फर अवनि प्रशांत ने यहां महिला एमेच्योर एशिया-पैसिफिक (डब्ल्यूएएपी) चैंपियनशिप के तीसरे दौर में 74 का कार्ड बनाया और वह संयुक्त 24वें स्थान पर हैं। पहले दो दौर में 71 और 72 का स्कोर बनाने वाली निशना पटेल ने तीसरे दौर में निराशाजनक प्रदर्शन किया। उन्होंने पांच ओवर 77 का कार्ड खेला जिससे वहां संयुक्त 34वें स्थान खिसक गई। थाईलैंड की ईला गैलिट्स्की ने अंतिम दौर से पहले तीन शॉट की बड़ी बढ़त हासिल कर ली है। किम मिनसोल (73) दूसरे जबकि जापान की युना अर्की (68) तीसरे स्थान पर हैं।

माधवपुर घेड मेला 30 मार्च रामनवमी से 3 अप्रैल 2023 तक होगा आयोजित

अहमदाबाद । भारत के उत्तर पूर्व प्रदेशों तथा पश्चिम भारत के गुजरात की समृद्ध संस्कृति के समन्वय के अनुबंध का उत्सव माधवपुर घेड मेला इस वर्ष 30 मार्च रामनवमी से 3 अप्रैल तक आयोजित किया जाएगा। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल की अध्यक्षता में इस मेले के भव्य आयोजन की शोभा बढ़ाने के लिए शुक्रवार को गांधीनगर में बैठक आयोजित की गई। मेले का आयोजन भारत सरकार के सांस्कृतिक मंत्रालय, उत्तर-पूर्वी राज्यों के विकास मंत्रालय सहित गुजरात सरकार के खेलकूद, युवा तथा सांस्कृतिक गतिविधि विभाग, पर्यटन विभाग व कुटीर उद्योग विभाग द्वारा किया जाता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के एक भारत-श्रेष्ठ भारत के विचार को साकार करते हुए इस मेले को 2018 से राष्ट्रीय स्तर के उत्सव के रूप में मनाया जा रहा है। यह मेला अरुणाचल प्रदेश के भीष्मक नगर के राजा भीष्मक की बेटी रुक्मणी के साथ माधवपुर में भगवान कृष्ण के विवाह की श्रद्धा स्मृति में आयोजित किया जाता है। भगवान श्री कृष्ण के माधवराय मंदिर में रुक्मिणीजी से विवाह करने और द्वारका के लिए प्रस्थान होने तक पांच दिनों का समग्र उत्सव स्थानीय समुदाय द्वारा माधवपुर में सांस्कृतिक मेले के तौर पर मनाया जाता है और इसका उद्देश्य दो प्रदेशों की समृद्ध संस्कृति का समन्वय करना है। बारात से बिदाई तक के इस आनंदमय और पवित्र विवाह को देखने के लिए हजारों श्रद्धालु प्रतिवर्ष इस मेले में श्रद्धापूर्वक उपस्थित होते हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा से वर्ष 2018 से इस मेले को व्यापक स्तर पर आयोजन करने की शुरुआत हुई ।2022 के इस माधवपुर-घेड मेले का शुभारंभ तत्कालीन राष्ट्रपति रामनाथ कोविंदजी के करकमलों से किया गया था। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल की अध्यक्षता में एवं पर्यटन मंत्री मुलूभाई बेरा की उपस्थिति में आयोजित उच्च स्तरीय बैठक में वर्ष 2023 में माधवपुर मेले में अनेकता में एकता की भावना को चरितार्थ करने और अधिक नए आकर्षण जोड़ने पर विचार-विमर्श किया गया। इस मेले में गुजरात, अरुणाचल प्रदेश, असम, मणिपुर, मिजोरम, मेघालय, सिक्किम, त्रिपुरा तथा नागालैंड समेत 9 राज्य सहभागी होंगे। इस मेले के उद्घाटन के लिए मुख्यमंत्री द्वारा भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मूजी को आमंत्रित किया जाएगा। इसके अलावा, गुजरात सरकार सहभागी राज्यों के मुख्यमंत्रियों, राज्यपालों तथा केंद्र सरकार के मंत्रियों को भी मेले में भाग लेने के लिए आमंत्रित करेगी। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने इस मेले को और अधिक लोकप्रिय एवं आकर्षक बनाने के लिए प्रतिदिन नवीन कार्यक्रमों के साथ आयोजन करने का मार्गदर्शन दिया।

इस संदर्भ में बैठक में निर्णय लिया गया कि इस वर्ष का मेला सांस्कृतिक प्रस्तुति के माध्यम से गुजरात तथा उत्तर पूर्वी राज्यों के समन्वय, कारीगरों के हस्तकला मेलों द्वारा समन्वय तथा खेलकूद के माध्यम से समन्वय के तीन व्यापक विषयों के साथ आयोजित किया जाएगा। ऐतिहासिक सुसंगता के साथ पारंपरिक नृत्यों को केंद्र में रखते हुए गुजरात और उत्तर-पूर्वी राज्यों के कलाकार, कला संस्थान सांस्कृतिक प्रस्तुति करेंगे। इतना ही नहीं भगवान श्रीकृष्ण पर मल्टीमीडिया शो भी किया जाएगा। उत्तर पूर्वी राज्यों के हस्तकला कारीगरों की विभिन्न चीज- वस्तुओं, व्यंजनों तथा उनके प्रदेशों के ऑर्गेनिक फूड को गुजरात में अधिक लोकप्रिय बनाने व वोकल फॉर लोकल पहल को बढ़ावा देने के लिए 18 मार्च से 30 मार्च तक वडोदरा, अहमदाबाद व राजकोट में प्रादेशिक हस्तकला मेला आयोजित किया जाएगा।

छापेमारी की परंपरा कांग्रेस ने शुरू की थी, बीजेपी उसी राह पर : अखिलेश यादव

अहमदाबाद। उत्तरप्रदेश के पूर्व सीएम और सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव गुजरात दौरे पर हैं। अहमदाबाद पहुंचते ही अखिलेश ने बीजेपी सरकार पर निशाना साधकर कहा कि बीजेपी सत्य और अहिंसा का रास्ता भूल गई है। उन्होंने कहा कि बीजेपी सरकार बुलडोजर के रास्ते पर है। अखिलेश से सीबीआई, ईडी और आईडी छापेमारी को लेकर सवाल हुआ तब उन्होंने कहा, छापेमारी की परंपरा कांग्रेस ने शुरू की थी, बीजेपी उसी रास्ते पर चल रही है। अखिलेश ने कहा, महात्मा गांधी के देश में बुलडोजर ने अहिंसा का मार्ग अख्तियार कर लिया है। अखिलेश ने कहा, छापेमारी की परंपरा कांग्रेस ने शुरू की थी। कांग्रेस ने भी देश के कई नेताओं पर समय-समय पर रेड किए हैं, तब बीजेपी इनके ही रास्ते पर चल रही है। अगर कांग्रेस आज जमीन पर पहुंच गई है, तब कल बीजेपी भी पहुंचेगी। अखिलेश ने कहा कि ईडी एग्जामिनेशन इन डेमोक्रेसी है, आपको इस परीक्षा से गुजरना ही होगा। अखिलेश ने कहा कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने जन्म तो गुजरात में लिया, लेकिन आज यमुना के किनारे उन्हें लोग याद करते हैं। वहीं, भगवान कृष्ण ने जहां जन्म लिया था यमुना के किनारे, उन्होंने आखिरी सांस गुजरात में ली थी। यह रिश्ता यहां का और उत्तर प्रदेश वालों का है।

सूरत के उधना में एक हथकरघा दुकान में रात के समय दो बार आग लग गई और सामान जलकर खाक हो गया

सरत। गर्मी आते ही आग लगने की घटनाएं बढ़ रही हैं। तभी सूरत के उधना इलाके में एक हैंडलूम की दुकान में आग लग गई. रात करीब साढ़े नौ बजे आग पर काबू पाने के बाद करीब दो बजे फिर से आग लग गई। जिससे दुकान में रखा हथकरघा का सामान जल गया। हालांकि फायर ब्रिगेड ने वाटर कैनन का प्रयोग कर आग पर काबू पाया।

उधना में हरि इच्छा इंडस्ट्रियल सोसाइटी में बस डिपो के पास श्री राम होम डेकोर नाम की दुकान में शार्ट सर्किट से आग लग गई. दुकानदार चंद्रशेखर भाटिया ने कहा, हम यहां 5 साल से कारोबार कर रहे हैं। रात करीब साढ़े नौ बजे हम दुकान पर मौजूद थे। इसी बीच ग्राहक को कुछ जलने की गंध आई और वह ऊपर हमारी दुकान पर गया तो देखा कि आग लगी हुई है। लिहाजा दुकान में मौजूद अग्निशमन यंत्रों से आग पर काबू पाया और दमकल विभाग को सूचना दी. तो फायर ब्रिगेड ने ऐसे आग पर काबू पाया।

साढ़े नौ बजे लगी आग पर काबू पाने के बाद करीब दो बजे फिर से आग लग गई। इसलिए हमने तुरंत फायर ब्रिगेड से संपर्क किया। दमकल की गाडिय़ों ने मौके पर पहुंचकर एक बार फिर आग पर काबू पाया। आग लगने से दुकान में रखा पर्दा, दरी, कंबल सहित सामान जल गया। बताया जा रहा है कि करीब 15 लाख का नुकसान हुआ है।

नशा मुक्ति के चक्कर में युवक ने गंवाई जान, केन्द्र संचालक समेत 7 लोगों के खिलाफ हत्या का केस दर्ज

पाटण । शहर स्थित नशा मुक्ति केन्द्र में नशे से निजात पाने के लिए दाखिल युवक की ना सिर्फ बेरहमी के साथ हत्या कर दी गई, बल्कि हत्या को प्राकृतिक मौत में खपाने के लिए उसका अग्निसंस्कार भी कर दिया गया। चौंकाने वाली बात यह है कि अग्निसंस्कार के दौरान मृतक का परिवार भी उपस्थित था। लेकिन पुलिस ने जब नशा मुक्ति केन्द्र के सीसीटीवी फूटेज खंगाले तो पूरी घटना का पर्दाफाश हुआ। पुलिस ने नशा मुक्ति केन्द्र संचालक समेत । लोगों के खिलाफ हत्या का केस दर्ज कर 6 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है और मामले की जांच शुरू की है। मेहसाणा निवासी चंद्रकांत अंबालाल मिस्त्री ने पाटण शहर बी डिवीजन पुलिस थाने में शिकायत दर्ज करवाई थी। जिसके मुताबिक उनकी बहन का बेटा हार्दिक सुथार नशे का आदी था और नशे से मुक्त कराने के लिए उसे पाटण शहर स्थित जयोना नशा मुक्ति केन्द्र में दाखिल किया था। गत 1। फरवरी को नशा मुक्ति केन्द्र से उन्हें बताया गया कि हार्दिक ने अपने हाथ पर चाकू मार लिया है और उसकी वजह से उसका ब्लड प्रेशर घट गया है। फिलहाल हम हार्दिक को अस्पताल ले जा रहे हैं। दूसरे दिन केन्द्र संचालक ने फोन कर बताया कि हार्दिक की मौत हो गई है, आप लोग पाटण आ जाएं। परिवार के पाटण पहुंचने पर ईको कार में रखा हार्दिक का शव दिखाया गया है और कहा कि ब्लड प्रेशर घटने से उसकी मौत हो चुकी है। जिसके बाद परिजनों को साथ रखकर हार्दिक का अग्निसंस्कार भी कर दिया गया। हार्दिक के नशेडी होने की वजह से कोई भी उससे सामाजिक संबंध नहीं रखता था। इतना ही नहीं इसी वजह से हार्दिक के पिता भी घर छोड़कर चले गए थे। जिससे पूरी संभावना थी कि हार्दिक की मौत का मामला दब जाता। लेकिन चंद्रकांत मिस्त्री की शिकायत पर पुलिस ने नशा मुक्ति केन्द्र के सीसीटीवी फूटेज खंगाले और हत्या की घटना का पर्दाफाश किया। फूटेज में नशा मुक्ति केन्द्र संचालक संदीप पटेल समेत अन्य लोग हार्दिक के हाथ-पैर बांधकर लाठी से बेरहमी से पीटते नजर आ रहे हैं। करीब डेढ़ घंटे तक आरोपियों ने हार्दिक बर्बरतापूर्वक पिटाई की थी और बाद में उसका प्राइवेट पार्ट भी जला दिया। इस खुलासे के बाद पुलिस ने । आरोपियों के खिलाफ हत्या का केस दर्ज किया है। साथ ही नशा मुक्ति केन्द्र के संचालक संदीप छगनभाई पटेल, जीतु पटेल, , गौरव माछीमार, महेश राठौड, जयेश चौधरी, नितिन चौधरी और जैनिष समेत 6 लोगों को गिरफ्तार कर मामले की जांच शुरू की है।

इस गर्मी, मेन ऑफ़ प्लेटिनम के स्टेटमेंट पीस के साथ अपने व्यक्तित्व को और निखारें

सूरत । ज्वैलरी में लुक बनाने या बिगाड़ने की ताकत होती है। और गर्मी के मौसम के आने के साथ, अब समय आ गया है कि आप अपने सार्टोरियल गेम को उन अंशो के साथ बढ़ाएं जो अद्वितीय लेकिन बहुमुखी, कोमल लेकिन स्टाइलिश और सूक्ष्म लेकिन आकर्षक हैं! मेन ऑफ प्लेटिनम कलेक्शन के कंटेम्परेरी प्लेटिनम ज्वैलरी पीस के साथ अपने समर लुक्स और आउटफिट्स को बेहतर बनाएं। प्रत्येक अति सुंदर डिजाइन को अनेकों प्रकार के आउटफिट्स और विभिन्न स्टाइल के साथ जोड़ा जा सकता है।

सितारों से जन्मा, प्लैटिनम दुनिया भर में केवल चुनिंदा स्थानों पर पाया जाता है और वास्तव में दुर्लभ और बहुमूल्य होने का प्रतीक है। प्लेटिनम, अपने निहित गुणों के साथ, स्टाइल को तत्काल बढ़ता है और सफलता के नए युग के प्रतीक के रूप में उभरा है। यह चरित्र के दुर्लभ पुरुषों के लिए एक उपयुक्त स्तोत्र है और एक सूक्ष्म लेकिन विशिष्ट संदेश देता है।

95% प्लेटिनम से तैयार की गई मेन ऑफ प्लेटिनम की यह शानदार ज्वैलरी रेंज साफ, बोल्ड लाइन्स और मिनिमलिज्म के साथ डाली गई है। प्लेटिनम चेन, रिस्टवियर, नेकवियर और अंगूठियों सहित अवांट-गार्डे डिज़ाइन की एक विस्तृत श्रृंखला की पेशकश करते हुए, संग्रह की डिज़ाइन भाषा में विशिष्ट प्रतीक, ठोस रूपों में क्रेस्ट और जटिल विवरण, चीरों और अलंकरणों के साथ वायुगतिकीय तत्व शामिल हैं। ज्वैलरी की इस त्रुटिहीन और विशिष्ट रेंज को बनाने के लिए स्टेटमेंट आकार और परिष्कृत बनावट एक साथ आते हैं। अत्यधिक बहुमुखी, संग्रह में प्रत्येक अंश अनेकों प्रकार के विभिन्न आउटफिट्स के साथ जोड़ा जा सकता है - पावर सूट और औपचारिक वस्त्रों से लेकर स्मार्ट कैजुअल्स के साथ-साथ भारतीय त्योहार के वस्त्रों तक। प्लेटिनम नेकवियर क्रिस्प शर्ट से लेकर सॉलिड टीज़ के साथ-साथ पोलो से लेकर बंदगले तक सब कुछ कॉम्प्लीमेंट करता है; प्लेटिनम रिस्टवियर और अंगूठियां रोज़मर्रा के लिए आदर्श आभूषण हैं जिन्हें अलग से पहना जा सकता है या किसी भी रूप या पोशाक को आकर्षक बनाने के लिए एक साथ रखा जा सकता है।

कार्यस्थल पर एक सूक्ष्म लेकिन विशिष्ट बयान बनाने के लिए आफिस शर्ट के साथ जोड़े जाने पर श्रृंखला व्यक्तिगत शैली का स्पर्श जोड़ती है। यह अंतरंग पारिवारिक समारोहों और कार्यक्रमों के लिए एक आकस्मिक एथिनिक रूप को तत्काल बढ़ाने के लिए एक आदर्श सहायक के रूप में भी काम करता है।

पोलैंड की एक लड़की ने सात समंदर पार भारत में हिंदू रीति-रिवाज से कि शादी

सूरत। सूरत में एक ऐसा मामला सामने आया है, जिसमें प्यार की कोई सीमा नहीं होती यह कहावत सच सवित होती हैं। सूरत से पोलैंड पढ़ने गए एक युवक को एक पोलिश लड़की से प्यार हो गया। जिसमें पोलिश लड़की की शादी भारत के सूरत में हिंदू रीति-रिवाज से हुई। पोलैंड में एमबीए की पढ़ाई कर रहे सूरत के युवक से स्थानीय युवती को प्यार हो गया। बाद में लड़की सात समंदर पार कर शादी करने भारत आ गई। दोनों ने सभी हिंदू रीति-रिवाजों के अनुसार आधिपत्य में कदम रखा।

परमार वलजीभाई राघवभाई, मूल रूप से भावनगर के रहने वाले और वर्तमान में अड़ाजन, सूरत में रह रहे हैं, उनकी एक बेटी वैशाली के है, जो लंदन में रहती है। जबकि 29 साल का बेटा भौमिक पोलैंड के वर्सो में एमबीए की पढ़ाई कर रहा है। इसी दौरान भूमिक को वहां रहने वाली इवेली नाम की लड़की से प्यार हो गया और दोनों ने शादी करने का फैसला किया और फिर भूमिक ने अपने घर पर अपने माता-पिता को शादी के बारे में बताया। हालांकि बेटे की खुशी में खुद की खुशी रखने वाले भूमिक के माता-पिता ने भी इस शादी को मंजूरी दे दी।

भूमिक ने घर पर अपने माता-पिता को सूचित किया और घर से शादी की अनुमति ली और बाद में पोलिश लड़की और भौमिक भारत आ गए। इन्होंने भी 9 मार्च 2023 को सूरत में धूमधाम से शादी की। पिठी, गणेश स्थापना के साथ हिंदू रीति-रिवाजों के अनुसार सभी रस्मों के अनुसार हुआ। उनकी शादी में सभी रिश्तेदार और मेहमान मौजूद रहे और नए जोड़े को आशीर्वाद दिया।

सूरत में जीएम के एक्सक्लूसिव लग्जरी शोरूम का शुभारंभ

सूरत। उधना मगदल्ला रोड सिटी में नवजीवन सर्कल के पास अम्बिका इंडस्ट्रियल सोसाइटी प्लॉट नंबर. 29-32 में नीलकांत हाउस में जीएम ने गुजरात में अपना पहला विशेष लक्ज़री शोरूम लॉन्च किया है। जीएम शो रूम का उद्घाटन पद्मश्री सावजीभाई ढोलिकिया ने किया। इस अवसर पर गणमान्य अतिथि उपस्थित थे। इसके अलावा इस मौके पर जीएम शो रूम ऑन व्हील वैन आकर्षण का केंद्र बनी रही।

कुमारपाल बांदा (निदेशक, जीएम मॉड्यूलर प्राइवेट लिमिटेड) जिन्होंने कहा कि जीएम ने ऑन-व्हील उत्पाद प्रदर्शन के लिए एक वैन रखी है। जिसमें आर्किटेक्ट, ठेकेदार, इलेक्ट्रीशियन वैन में आकर उत्पाद का अनुभव ले सकते हैं। जहां शोरूम नहीं पहुंच सकते, जीएम उत्पादों को ऑन-व्हील वैन में देखा और अनुभव किया जा सकता है। भारत में पहली बार जीएम ने उत्पाद बेचने के लिए इस तरह की वैन बनाई है। इस वैन में जीएम के उत्पाद स्वचालन का अनुभव किया जा सकता है। यहां स्विच, लाइट, एलईडी, पंखे की एक विशाल आधुनिक रेंज पाई जा सकती है। उद्घाटन के मौके पर मुख्य अतिथि पद्मश्री सावजीभाई ढोलकिया ने शो रूम की शोभा बढ़ाई।

वैन के बारे में ललित जैन (कॉरपोरेट प्लानिंग एंड स्ट्रेटेजी डायरेक्टर) ने कहा कि यह वैन चलता-फिरता शोरूम है। दिलीप छाबड़िया ने इस वैन को डिजाइन किया है। भारत का पहला फाइव स्टार आलीशान शो रूम। जिसमें इंजीनियर कंसल्टेंट बिल्डर सभी जीएम उत्पादों को देख, समझ और उपयोग कर सकते हैं। हम इस प्रकार की बहुउद्देशीय वैन बनाने की योजना बना रहे हैं।

मुख्य अतिथि सावजीभाई ने इस अवसर पर शुभकामनाओं के साथ संदेश दिया कि सूरत में मैं दस वर्षों से जीएम का प्रयोग कर रहा हूं।

वह स्विच पुराना है, अब मैं उसे बदल दूंगा। जीएम के सूरत में शोरूम करने का मतलब सूरत में विकास है। सूरत में नए शोरूम से लोगों को तकनीक के साथ-साथ आधुनिक सुरक्षित उपकरण भी मिलेंगे। बाजार से सस्ती कीमत पर उत्पाद दें, आप सिर्फ एक स्विच या लाइट नहीं बेच रहे हैं, बल्कि सुरक्षा, भावना, स्वास्थ्य, संपत्ति बेच रहे हैं। कृपया जीएम उत्पाद के अनुसार बिक्री सेवा प्रदान करें ताकि मुझे कोई शिकायत न हो।

अंबाजी में मोहनथाल प्रसाद को लेकर बवाल जारी, विहिप ने फूंका कलेक्टर का पुतला

बनासकांठा। उत्तरी गुजरात स्थित शक्तिपीठ अंबाजी में मोहनथाल का प्रसाद बंद किए जाने के बाद शुरू हुआ बवाल 9वें दिन भी जारी रहा। विश्व हिन्दू परिषद (विहिप) ने मोहनथाल का प्रसाद बंद करने के विरोध में जिला कलेक्टर का पुतला फूंका। शनिवार को अंबाजी में मोहनथाल का प्रसाद शुरू करने की मांग के साथ विशाल रैली निकाली, धरना दिया और बाद में कलेक्टर का पुतला फूंका। जिसके बाद सात नंबर के गेट पर बैठकर विहिप कार्यकर्ताओं ने रामधून की। साथ ही अंबाजी मंदिर में दाताओं की ओर से दिया गया मोहनथाल का प्रसाद का देवी माता को भोग लगाकर श्रद्धालुओं में बांटा गया। आज लगातार तीसरे दिन स्थानीय दाताओं की ओर से मोहनथाल का प्रसाद बनाकर अंबाजी को भोग लगाया गया और भक्तजनों में वितरित किया गया। गौरतलब है कि मंदिर प्रबंधन ने मोहनथाल का प्रसाद जल्द खराब होने का तर्क देते हुए इसे बंद कर दिया है और मोहनथाल की जगह प्रसाद के तौर पर चिक्की का वितरण शुरू किया गया है। मंदिर प्रबंधन का दावा है कि चिक्की का प्रसाद कई महीनों तक सहज कर रखा जा सकता है। जबकि मोहनथाल का प्रसाद कुछ दिन में ही खराब हो जाता है। लेकिन अंबाजी के स्थानीय लोगों समेत आनेवाले श्रद्धालुओं को मंदिर प्रबंधन तर्क समझ नहीं आ रहा। सभी लोगों की मांग है कि सदियों से चली रही मोहनथाल के प्रसाद की परंपरा को बंद करना ठीक नहीं है। मंदिर प्रबंधन चाहता है तो चिक्की का प्रसाद भी वितरित करे, लेकिन मोहनथाल का प्रसाद बंद ना करे। वैसे भी अंबाजी जब से चिक्की को प्रसाद स्वरूप दिया जा रहा है, तब से उसकी बिक्री में जबर्दस्त गिरावट आई है। मोहनथाल अंबाजी की विशेष पहचान है और उसके ना मिलने से श्रद्धालुओं को संतुष्टि नहीं हो रही। श्रद्धालुओं की मांग है कि मोहनथाल का प्रसाद दोबारा शुरू किया जाए।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)